आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 27 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 259
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

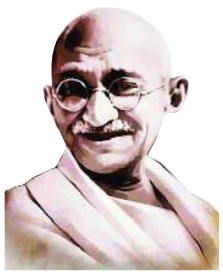

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

कीचड़ का विरोध करने के लिए कीचड़ में ही बैठ गए प्रदर्शनकारी

पेज-2

शहजान ने गायन की दुनिया में रखा कदम

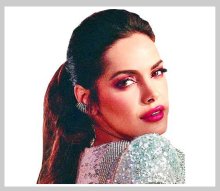

पेज-5

इंदौर-देपालपुर फोरलेन पर शुरू हुई श्रेय की राजनीति

पेज-6

अवकाश की सूचना

28 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में 'दैनिक इंदौर संकेत' कार्यालय का पूर्ण अवकाश रहेगा।

- संपादक

न्यूज ब्रीफ

- नेपाल बाढ़ : सद्गुरु का दावा- हमारे ग्रुप के 80 लोग लापता, अधिकारियों से रियरोंग जाने की अनुमति मांगी
- 18 साल की नेहा फकीर के कथित अपहरण पर अमेरिकी सांसदों ने पाकिस्तान को लिखा पत्र
- कर्नाटक में छात्रों के लिए बड़ा फैसला, 5 मंत्रियों की कमेटी बनी
- UPTET 2026 रिजल्ट जारी, प्राथमिक के 93 हजार और उच्च प्राथमिक के 1.13 लाख अभ्यर्थी पास
- कतर के प्रधानमंत्री आज तेहरान का दौरा करेंगे
- चंडीगढ़ में सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की आज राज्यव्यापी हड़ताल
- बिहार बाढ़ आशंका : शाह ने सम्राट चौधरी से बात कर मदद का आश्वासन दिया
- इजरायल नौ महीने से अधिक समय से हिरासत में रखे फिलिस्तीनी बच्चे का शव लौटाएगा
- सीआईए निदेशक जॉन की मॉस्को यात्रा, रूसी गुप्तचर अधिकारियों से की वार्ता
- न्यूयॉर्क : मेयर ममदानी ने आरएसएस कार्यक्रम का विरोध किया

महंगाई की पड़ी मार : जनता की जेब पर चौतरफा पड़ा भार

किराना और मिठाई सहित अन्य वस्तुओं में 30 फीसदी तक आ गया उछाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भाई-बहन के प्रेम का पर्व रक्षाबंधन इस बार इंदौरवासियों की जेब पर भी भारी पड़ता नजर आ रहा है। खाद्य सामग्रियों के भाव भी बढ़ गए हैं। महंगाई की मार आम जनता पर पडने लगी हैं। बाजार में कई जरूरी राशन और पूजन सामग्रियों के दामों में अचानक बड़ा उछाल देखा जा रहा है। विशेष रूप से बादाम, नारियल और शक्कर की कीमतों में तेजी आई है, जिससे त्योहारों की तैयारियों में लगे परिवारों का बजट प्रभावित हो रहा है। वहीं राखी, रुमाल भी महंगे हो गए हैं।

किराना बाजार में बढ़े दाम: थोक व्यापारी लोकेश अग्रवाल ने बताया त्यौहारों की मांग बढ़ने के साथ ही प्रमुख खाद्य पदार्थों के दामों में तेजी दर्ज की गई है। बादाम में पिछले एक महीने के अंदर दामों में लगभग 30 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई है। पूजन और मिठाइयों के लिए इस्तेमाल होने वाले नारियल की कीमतों में बीते 10 से 15 दिनों में करीब 25-30 फीसदी का उछाल आया है। शक्कर के भाव में पिछले कई दिनों से तेजी बनी हुई है। व्यापारियों का कहना है कि घी और खाद्य तेलों के दामों में कोई खास बदलाव नहीं आया है। विशेषज्ञों के अनुसार थोक व्यापारियों के थोड़ा भाव बढ़ाते ही खेरची व्यापारी तुरंत 5 से 10 प्रतिशत की वृद्धि कर देते हैं। थोक व्यवासियों का कहना है कि त्योहारी सीजन होने के बावजूद इस समय बिकवाली घटी है।

राखी पर जीएसटी की मार: राखी विक्रेता चंद्रशेखर ने बताया राखी पर जीएसटी की मार देखने को मिल रही हैं। राखी तो जीएसटी मुक्त है, लेकिन जिस मेटेरियल से राखी बनती है उस पर जीएसटी लगने से राखियों की कीमत में 25 से 30 फीसदी का उछाल आ गया है। एक साल पहले तक जो राखियां 10 से 20 रुपए की मिल रही थीं वह अब 25 से 30 रुपए के बीच मिल रही हैं। इसके साथ ही सादी राखी की अपेक्षा डिजाइनर राखियों की मांग भी ज्यादा है। इन राखियों की कीमत की बात करें तो इनमें भी 25 से 30 फीसदी तक का उछाल देखने को मिला है।

रुमाल भी हुआ महंगा

चंद्रशेखर ने बताया पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत तक राखियों के दाम बढ़ गए है। सामान्य राखी 25 से 35 रुपए और फैंसी राखी 60 से 300 रुपए के बीच मिल रही है। महिलाओं में प्रचलित चूड़ा राखी 60 से 200 रुपए के बीच हैं। पिछले साल राखी और मिठाई का ही नहीं है त्योहार रक्षाबंधन का त्योहार इंदौर के बाजार के लिए सिर्फ राखी और मिठाई की बिक्री नहीं, बल्कि करोड़ों रुपए के कारोबार का बड़ा अवसर है। शहर में लाखों परिवार एक साथ खरीदारी के लिए बाजार में उतरते हैं। राखी, मिठाई, कपड़े, गिफ्ट, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और ज्वेलरी तक फैले इस बाजार में खर्च का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

छावनी में व्यापारियों का दर्द पोस्टर के माध्यम से उछला...

सीजेपी ने बदली राजनीति की राह, पीएम मोदी और राहुल गांधी सोशल मीडिया पर हुए ज्यादा एक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी) • पिछले चार महीनों में भारत की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत और उसके प्रोटेस्ट के बाद देश की दो सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर और भी ज्यादा एक्टिव होती नजर आई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और उनके धुर विरोधी लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी पिछले कुछ समय में युवाओं (जेन जी) से सीधा जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम पर काफी ज्यादा एक्टिव हुए हैं। सोशल मीडिया की रीच पर नजर रखने वाली डेटा बीइंग्स की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों नेताओं के इस ऐक्शन का फायदा भी उन्हें मिला है। दोनों ही तेजी के साथ युवाओं के बीच में अपनी बात पहुंचाने में कामयाब रहे हैं। कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के दौरान आधी रात में इंस्टाग्राम पर वर्टिकल विडियो पोस्ट करने वाले प्रधानमंत्री मोदी को इसका सबसे ज्यादा लाभ मिला है। 20 जुलाई के बाद उनके इंस्टाग्राम अकाउंट की रीच में बेहद तेजी के साथ वृद्धि देखने को मिली है। युवाओं के बीच में पीएम मोदी का क्रेज भी बढ़ा है। इस मामले में उनके धुर-विरोधी राहुल गांधी भी कहीं तक उनसे पीछे नजर नहीं आ रहे हैं। पीएम मोदी के इंस्टाग्राम वीडियो के जवाब में राहुल गांधी ने एक दूसरे फीचर का उपयोग किया। उन्होंने अपने फॉलोअर्स के लिए 'आस्क मी एनिथिंग' का टास्क लिया।

कितनी बढ़ी दोनों नेताओं की रीच?

डेटा बीइंग्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 20 जुलाई को कॉकरोच पार्टी के संसद मार्च के बाद पीएम मोदी और राहुल गांधी के सोशल मीडिया रीच में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। दोनों ही नेता अब पहले से ज्यादा इंगेजिंग कंटेंट पर ध्यान देते हुए नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 20 जुलाई के बाद प्रधानमंत्री मोदी की औसत प्रति पोस्ट इंगेजमेंट 1.19 मिलियन से बढ़कर 4.63 मिलियन हो गई है। यह अपने आप में करीब 289 फीसदी का उछाल है।

कांग्रेस जिला अध्यक्षों को अल्टीमेटम 5 सितंबर तक बनाएं पूरी कार्यकारिणी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • संगठन सृजन अभियान को शुरू हुए एक साल से ज्यादा होने के बाद भी जिलों में कांग्रेस कार्यकारिणी का गठन नहीं हो पाया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने इसे गंभीरता से लिया है।

पार्टी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी को जल्द से जल्द बूथ से लेकर जिला कार्यकारिण के गठन के निर्देश दिए हैं। इसे देखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी हरकत में आ गई है। कांग्रेस के प्रदेश संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कामले ने बुधवार को सभी 71 जिला अध्यक्षों के साथ जूम मीटिंग कर एक-एक जिले की कार्यकारिणी के गठन के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने 5 सितंबर तक बूथ से लेकर ब्लॉक तक कार्यकारिणी के गठन

की कार्रवाई हर हाल में पूरी करने के निर्देश दिए। जिला अध्यक्षों से चर्चा के दौरान सामने आया कि अधिकतर जिलों में कार्यकारिणी का काम पूरा नहीं हुआ है। कहीं वार्ड एवं पंचायत कमेटी का गठन नहीं हो पाया है, तो कहीं मंडलम और ब्लॉक कार्यकारिणी का काम अधूरा पड़ा है। जूम मीटिंग के दौरान चर्चा में सामने आया कि भोपाल शहर में 85 में से 18 वार्ड कमेटी का गठन होना बाकी है। ऐसे ही मंडलम कमेटी का गठन भी नहीं हो पाया है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने 31 अगस्त कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया पूरी करने की बात कही।

दिल्ली में समीक्षा के बाद पीसीसी हुई सक्रिय

पिछले दिनों नई दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस संगठन के कामकाज की समीक्षा हुई थी। इसमें सामने आया था कि संगठन के गठन का काम पूरा नहीं हो पाया है। इस पर एआईसीसी पदाधिकारियों ने संगठन का गठन जल्द पूरा करने के निर्देश प्रदेश पदाधिकारियों को दिए थे, ताकि स्थानीय निकाय चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारियां मुकम्मल की जा सकें। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के विभाग और प्रकोष्ठों के गठन में पारदर्शिता नहीं बरती जाने की सामने आई थी। इस पर विभाग और प्रकोष्ठों को तत्काल भंग करने का भी निर्णय लिया गया था। इसे देखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी जिलों की कार्यकारिणी के गठन को लेकर सक्रिय हो गई है।

चौकीदार को कार से कुचला, मौत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • लसूड़िया इलाके में कॉलोनी के गेट पर युवक को रोकना चौकीदार को भारी पड़ गया। रोकने पर हुए विवाद के बाद युवक ने चौकीदार पर कार चढ़ा दी और मौके से फरार हो गया। गंभीर हालत में चौकीदार को एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस आरोपी कार चालक की तलाश कर रही है।

टीआई राजकुमार यादव के मुताबिक घटना द एक्जोटिका टाउनशिप के गेट के पास की है। बुधवार रात करीब 10 बजे अरडिया गांव निवासी राजा कुमावत अपने दोस्तों के साथ कॉलोनी के गेट के पास खड़ा था। रात में अंधेरे में खड़े होने पर वहां तैनात चौकीदार धर्मेंद्र पुत्र रामचंद मालवीय ने उसे वहां से हटने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के बाद राजा ने धर्मेंद्र पर कार चढ़ा दी और मौके से भाग गया। गंभीर रूप से घायल धर्मेंद्र को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और रात में उसके घर पर दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक धर्मेंद्र करीब एक साल से टाउनशिप में चौकीदारी कर रहा था और मूल रूप से देवास का रहने वाला था।

56 लाख बच्चों को यूनिफॉर्म नहीं, खाते में आएगा पैसा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8वीं तक के 56 लाख विद्यार्थियों को सिली हुई स्कूल ड्रेस देने के फैसले में बदलाव की तैयारी है। अप्रैल से शुरू हुए शैक्षणिक सत्र के करीब आधे से ज्यादा समय बीतने के बावजूद बच्चों को यूनिफॉर्म नहीं मिल सकी है। ऐसे में स्कूल शिक्षा विभाग अब कैबिनेट से दोबारा मंजूरी लेकर ड्रेस की राशि विद्यार्थियों के बैंक खातों में DBT (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के जरिए भेजने की तैयारी कर रहा है।

जून में कैबिनेट ने लिया था सिली ड्रेस देने का फैसला

मोहन कैबिनेट ने जून में कक्षा 1 से 8वीं तक के विद्यार्थियों को दो यूनिफॉर्म सिलाकर देने का फैसला किया था। इसके लिए मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम ने करीब 350 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया था। टेंडर 3 जून को फ्लोट किया गया था। हालांकि, टेंडर प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो सकी। इसके चलते यूनिफॉर्म की सिलाई और सप्लाई शुरू नहीं हो पाई। अब अगस्त का महीना भी बीत गया है और बच्चे नई ड्रेस का इंतजार कर रहे हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की मौजूदगी में हुई बैठक में यूनिफॉर्म वितरण की व्यवस्था बदलने का फैसला लिया गया है। विभाग जल्द ही संशोधित प्रस्ताव कैबिनेट के सामने रखेगा। मंजूरी मिलने के बाद विद्यार्थियों को दो जोड़ी यूनिफॉर्म के लिए तय राशि सीधे उनके खातों में भेजी जाएगी। सिली हुई यूनिफॉर्म की सप्लाई का ठेका एक कंपनी को देने की योजना थी। टेंडर प्रक्रिया को लेकर मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। इसके बाद मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने टेंडर पर अंतरिम रोक लगा दी।

मंत्री-पूर्व मंत्री के अभियोजन पर सरकार नहीं ले सकती कोई फैसला-तन्खा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • भोपाल मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति के मामले में कैबिनेट के फैसले के बाद वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने सवाल उठाए हैं। तन्खा का कहना है कि इस मामले में निर्णय लेने का अधिकार कैबिनेट को नहीं, बल्कि राज्यपाल को है। उन्होंने 2003 के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पूर्व या वर्तमान मंत्री के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति के मामले में राज्यपाल अपने स्वविवेक से निर्णय लेते हैं।

अब ग्रीन लाइन बसें : इंदौर से मांडू, उज्जैन, भोपाल समेत 5 रूट पर शुरू होंगी ई-बसें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • सिटी बसों के बाद अब इंदौर से आसपास के धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के लिए भी ग्रीन मोबिलिटी सेवा शुरू होने जा रही है। एआईसीटीएसएल ने इंदौर रीजन में 26 ग्रीन लाइन एसी इलेक्ट्रिक बसें चलाने के लिए ऑपरेटरों को आमंत्रित किया है। इनमें उज्जैन और मांडव के लिए 8 बसें चलेंगी।

बसों में आधुनिक सुविधाओं के साथ ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा भी रहेगी। एआईसीटीएसएल पर्यटन स्थल उज्जैन और मांडव के साथ भोपाल, खरगोन, खंडवा और सेंधवा के लिए भी ये बसें चलाएगा। बसों का संचालन नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल पर होगा। कंपनी प्रीमियम लेकर ऑपरेटर को रूट आवंटित करेगी।

दूरस्थ शहरों के लिए भी: मुख्यमंत्री परिवहन सेवा के तहत दूरस्थ शहरों के लिए 20 से ज्यादा रूट की टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इंदौर से सागर, जबलपुर, शहडोल और बालाघाट सहित अन्य शहरों के लिए ऑपरेटर नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है।

पीएम ई-बस सेवा के नए रूट तैयार

सरकार ने प्रदेश में रोडवेज बसों की तर्ज पर परिवहन सेवा फिर शुरू की है। इसके तहत इंदौर और उज्जैन संभागों में 1700 से ज्यादा बसें चलाने की तैयारी है। इंदौर में सिटी बस सेवा के तहत 14 रूट पर पीएम ई-बस सेवा शुरू हो चुकी है। अगले महीनों में 150 बसें चलाने की योजना है। इनमें 10 बसें शुरू हो चुकी हैं।

मंत्रियों के साथ दो दिन चिंतन करेंगे सीएम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • सीएम डॉ मोहन यादव पहली बार चिंतन शिविर का आयोजन करने जा रहे हैं। सितंबर में सीएम सभी मंत्रियों के साथ दो दिनों तक चिंतन-मंथन करेंगे। सीएम के निर्देश पर इस चिंतन शिविर की तैयारियां की जा रही हैं।

अगले महीने में प्रस्तावित चिंतन शिविर में मंत्रियों के समूह बनाकर ढाई साल में हुए विभागीय कामों, योजनाओं की प्रोग्रेस की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही संकल्प पत्र के मुताबिक अगले ढाई साल के रोडमैप पर भी चर्चा होगी। इस बार के चिंतन शिविर में तीन-चार विभागों के मंत्रियों के ग्रुप बनाकर चिंतन-मंथन किया जाएगा। चिंतन शिविर के दौरान कलेक्टर-कमिश्नर से लेकर विभागों के एसीएस, पीएस भी मौजूद रहेंगे। सीएम की इच्छा है कि मंत्रियों के साथ होने वाली समीक्षा बैठक में प्रभार के जिलों की स्थिति पर भी चर्चा हो और वहां की स्थानीय चुनौतियों, कामों को लेकर रिव्यू में अफसरों से सवाल-जवाब किए जा सकें।

आर्थिक बचत के लिए चिंतन शिविर भोपाल में होगा

आमतौर पर चिंतन शिविर राजधानी से दूर एकांत क्षेत्र में आयोजित किए जाते रहे हैं। लेकिन, मंत्रियों से लेकर तमाम अफसरों को भोपाल के बाहर शिविर में आने-जाने ठहरने में काफी खर्च होता है। सीएम ने यह सुझाव दिया है कि राजधानी में ही यह चिंतन शिविर आयोजित किया जाए। ताकि मंत्री-अफसर सब आसानी से रात्रि विश्राम के लिए अपने घर जा सकें। और आने-जाने ठहरने की व्यवस्थाओं पर होने वाले खर्च से बचा जा सके।

कीचड़ का विरोध करने के लिए कीचड़ में ही बैठ गए प्रदर्शनकारी

बॉम्बे अस्पताल की सर्विस रोड बदहाल, कांग्रेस ने 5 दिन का अल्टीमेटम दिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में खस्ताहाल सड़कों को लेकर कांग्रेस ने निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे के नेतृत्व में कांग्रेस नेता बुधवार को बॉम्बे अस्पताल के पास की कीचड़ से भरी सर्विस रोड पर धरने पर बैठ गए। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि पांच दिन के भीतर शहर की खराब सर्विस रोड का काम शुरू नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

चौकसे ने कहा कि करीब दो साल पहले ड्रेनेज लाइन डालने के नाम पर इस सड़क को खोदा गया था, लेकिन इसके बाद से सड़क निर्माण के नाम पर कोई ठोस काम नहीं हुआ। सड़क की बदहाली के कारण रोजाना हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा

है। कीचड़ के कारण दोपहिया वाहन चालक कई बार फिसलकर गिर चुके हैं। कांग्रेस ने निगम को पांच दिन का समय देते हुए कहा कि सर्विस रोड का काम शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन को और बड़ा किया जाएगा।

बॉम्बे हॉस्पिटल सर्विस रोड निर्माणाधीन है : राजेंद्र राठौर-जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने निमार्णाधीन बाम्बे हॉस्पिटल सर्विस रोड को लेकर कांग्रेस द्वारा किए गए प्रदर्शन पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को विकास कार्यों में सहयोग करना चाहिए न कि निर्माणाधीन सड़कों को लेकर नकारात्मक राजनीति करनी चाहिए। राठौर ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में मध्यप्रदेश सहित इंदौर की सड़कों की स्थिति किसी से छिपी नहीं थी। भाजपा सरकार और निगम परिषद के कार्यकाल में शहर में सड़क, अधोसंरचना और सौंदर्गीकरण के कई बड़े कार्य हुए हैं। एमजी रोड, अन्नपूर्णा रोड, ग्रेटर कैलाश रोड सहित अनेक प्रमुख मार्गों को विकसित कर आदर्श स्वरूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि बॉम्बे हॉस्पिटल की सर्विस रोड पर वर्तमान में सीवरेज और जलप्रदाय लाइन का काम चल रहा है। निर्माण कार्य के दौरान सड़क की स्थिति अस्थायी रूप से प्रभावित होना स्वाभाविक है। जिस मार्ग पर यातायात भी संचालित नहीं हो रहा, वहां बैठकर प्रदर्शन करना राजनीतिक नौटंकी है।

गौतम आश्रम में 100 से अधिक जोड़ों ने किया रुद्राभिषेक, शिव भक्ति में लीन हुए श्रद्धालु

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण नगर सभा इंदौर एवं गौतम आश्रम ट्रस्ट, सुदामा नगर के संयुक्त तत्वावधान में सावन माह के भौम प्रदोष पर भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन सुदामा नगर स्थित गौतम आश्रम में संपन्न हुआ। आचार्य पंडित देवेश्वरजी जोशी के आचार्यत्व में संपूर्ण पूजन शास्त्रोक्त विधि-विधान के साथ पूर्ण कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा संत ऋषभ देव महाराज उपस्थित रहे, जिन्होंने श्रद्धालुओं को अपना पावन आशीर्वाद दिया। इस धार्मिक आयोजन में 100 से अधिक जोड़ों तथा 100 एकल वरिष्ठ व युवा श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर पुण्य लाभ कमाया। कार्यक्रम में शिव तांडव आरती के पश्चात सामूहिक महाप्रसादी का वितरण किया गया।

पंडित देवेश्वरजी जोशी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भौम प्रदोष पर अभिषेक के महत्व और पूजन के शास्त्रीय उद्देश्यों की जानकारी दी। आयोजन में सैकड़ों दंपतियों और मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नगर सभा की ओर से गंगाजल, शिवलिंग, पूजा सामग्री, पुष्प, बिल्वपत्र, शमी पत्र एवं पंचामृत की व्यवस्था की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

दुर्लभ एवं प्रतिबंधित प्रजाति के 30 कछुए जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दुर्लभ एवं प्रतिबंधित प्रजाति के वन्यजीवों की तस्करी करने वाले गिरोह के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की इंदौर इकाई ने कार्रवाई करते हुए 30 कछुओं के अवैध व्यापार में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को विशेष न्यायालय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, इंदौर के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें फॉरेस्ट रिमांड पर लिया गया है। मामले में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

राणापुर में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अब 29 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत राणापुर विकासखंड में पूर्व निर्धारित 27 अगस्त को आयोजित होने वाला भ्रमण एवं जन-विश्वास शिविर अब 29 अगस्त को आयोजित किया जाएगा।

बीकेटी टायर्स ने वाहन सेगमेंट में अपनी स्थिति को मजबूत किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ग्लोबल ऑफ-हाईवे टायर लीडर, बालकृष्ण इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीकेटी) ने भारत के ऑन-हाईवे टायर बाजार में अपनी पहुँच बढ़ाते हुए भारत के कमर्शियल वैहिकल रेडियल (सीवीआर) मार्केट में अपनी स्थिति मजबूत की है। कंपनी ने मध्य प्रदेश के इंदौर में अपना नया वेयरहाउस शुरू किया है। इस वेयरहाउस का उद्घाटन 21 अगस्त को किया गया। इस अवसर पर बीकेटी की लीडरशिप टीम मौजूद थी। यह विस्तार राज्य के कमर्शियल वैहिकल रेडियल सेगमेंट में कंपनी की पहुँच और बाजार अंश बढ़ाने पर केंद्रित है।

होम अगेन की बहनों ने बांधी स्नेह की राखी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मंगलवार को शहर के लिंबोदी क्षेत्र स्थित ग्रामीण आदिवासी समाज विकास संस्थान द्वारा संचालित 'होम अगेन' में रक्षाबंधन का पर्व आत्मीयता, स्नेह और अपनत्व के साथ मनाया गया। यहां निवासरत मानसिक रूप से अस्वस्थ महिलाओं ने उपस्थित अतिथियों को अपने हाथों से बनाई राखियां बांधकर भाई-बहन के रिश्ते की भावनात्मक डोर को मजबूत किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने महिलाओं का उत्साह बढ़ाते हुए उनके साथ रक्षाबंधन की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम में वसुधा संस्था की संस्थापक गायत्री परिहार, अध्यक्ष रमेश मेवाड़ा, भाजपा नेता प्रेम व्यास, भाजपा नेता सागर कसारा, संस्था निदेशक विजय धवले, मनोचिकित्सक मीनाक्षी वर्मा, समाजसेवी विपिन शर्मा एवं संस्था समन्वयक रिशिता मैती प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गायत्री परिहार ने कहा कि 'होम अगेन' में रहने वाली बहनें समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्हें दया नहीं, बल्कि सम्मान, स्नेह, सहयोग और अपनत्व की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन देने के लिए 'होम अगेन' द्वारा किया जा रहा प्रयास बेहद सराहनीय और प्रेरणादायी है।

रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर होंगे अनेक आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रक्षाबंधन, बलराम जयंती व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश में विभिन्न आयोजन होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संस्कृति, किसान कल्याण तथा कृषि विकास,महिला व बाल विकास,लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा,पर्यटन,जेल,गृह, पशुपालन,जनजातीय कार्य विभाग सहित कमिश्नर और कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र अनुसार रक्षाबंधन पर्व 28 को सामाजिक रिश्तों से प्रकृति तक विस्तार कर जल, प्रकृति और पर्यावरण से गहन संबंध के रक्षण का संकल्प एवं आह्वान के लिए विभिन्न वर्ग को जोड़ने के लिए एक राखी एक संकल्प, रक्षासूत्र एक राखी एक रिश्ता, पेड़ को राखी-प्रकृति से भाईचारा जैसी गतिविधियाँ जनसहभागिता के साथ आयोजित की जायेगी।

एमआर टीबी अस्पताल अधीक्षक का किया घेराव

दवा खरीदी में भ्रष्टाचार के आरोप कांग्रेस ने स्वास्थ्य मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मनोरमा राजे क्षय (एमआर टीबी) अस्पताल में दवाइयों, सर्जिकल और अन्य चिकित्सा सामग्री की खरीदी तथा स्टॉक व्यवस्था में कथित अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अस्पताल के अधीक्षक सुनील अवासीय का घेराव करते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। प्रदर्शन के बाद स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया।

नारेबाजी की-कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल और गिरीश जोशी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि दवाइयों और चिकित्सा सामग्री की खरीदी में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने खरीदी गई सामग्री, अस्पताल पहुंची सामग्री, स्टॉक में दर्ज सामग्री और मरीजों को वितरित सामग्री का रिकॉर्ड मिलाने की मांग की। कांग्रेस ने कहा कि जांच में खरीदी से जुड़े बिल, सप्लाई रिकॉर्ड, जीआरएन, स्टॉक रजिस्टर और इश्यू रजिस्टर का मिलान कराया जाए। इसके साथ ही अस्पताल के स्टोर का भौतिक सत्यापन, खरीदी संबंधी फाइलों और भुगतान रिकॉर्ड की जांच तथा क्रय समिति की कार्यवाही की समीक्षा कराई जाए।

असर मरीजों के इलाज पर

नेताओं ने कहा कि सरकारी अस्पताल में दवाइयों की खरीदी में गड़बड़ी का सीधा असर मरीजों के इलाज पर पड़ता है। इसलिए पूरे रिकॉर्ड को सुरक्षित रखते हुए निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। यदि जांच में भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितता या रिकॉर्ड में हेरफेर सामने आता है तो जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों और संबंधित फर्मों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। विवेक खंडेलवाल और गिरीश जोशी ने कहा कि जनता के पैसे से खरीदी गई दवाइयों और चिकित्सा सामग्री की वास्तविक स्थिति सामने आना जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि मामले में तत्काल जांच के आदेश नहीं हुए तो कांग्रेस आंदोलन को और तेज करेगी।

बढ़ती महंगाई के विरोध में अनोखा प्रदर्शन, आम जनता को पहनाई बताशे की माला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बढ़ती महंगाई और शक्कर के लगातार बढ़ते दामों के विरोध में सिंधी कॉलोनी चौराहे पर कांग्रेस सेवादल एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया गया। विवेक खंडेलवाल एवं गिरीश जोशी के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में आम जनता को बताशे की माला पहनाकर महंगाई के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'महंगी शक्कर का मीठा हार, जनता पर महंगाई की मार' जैसे संदेश के माध्यम से सरकार का ध्यान बढ़ती महंगाई की ओर आकर्षित किया। बताशे की माला को विरोध का प्रतीक बनाते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिस शक्कर से आम आदमी के घरों में मिठास आती है, वही शक्कर महंगी होने के कारण अब आम परिवारों के बजट पर बोझ बनती जा रही है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि महंगाई का सीधा असर मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की रसोई पर पड़ रहा है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने वीर गोगा देवजी के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर की छड़ी पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हर साल की तरह इस साल भी नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जाहरवीर गोगा देव जी के छड़ी निशान पूजन का आयोजन किया। इस अवसर पर वाल्मिकी समाज की विभिन्न कॉलोनियों से लाए गए 70 से ज्यादा छड़ी निशानों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पधारे वाल्मिकी समाजजनों को संबोधित करते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने वाल्मिकी समाज की प्रशंसा की ओर कहा कि देश के विकास में

समाज का योगदान काफी अहम है। उन्होंने कहा कि वाल्मिकी समाज ने मुगलों से संघर्ष किया, लेकिन धर्म परिवर्तन नहीं किया। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि गोगादेव जी महाराज सामाजिक समरसता, शक्ति, पराक्रम और वीरता के प्रतीक थे। उन्होंने सोमनाथ विध्वंस करने वाले मोहम्मद गजनवी से मुकाबला करते हुए अपने प्राणों की आहूति दी।

सरकारी स्कूल लसुड़िया मोरी में आसरा द्वारा सघन एचआईवी / एड्स जागरूकता अभियान चलाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गत दिवस आसरा सामाजिक लोक कल्याण समिति इंदौर की टीम द्वारा सघन जागरूकता अभियान के अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल लसुड़िया मोरी में अलग अलग कक्षाओं में सेशन लिए गए,जिनकी विद्यार्थियों कुल संख्या 140 रही जिसके अंतर्गत एच आई वी /एड्स एवं हेपेटाइटिस क्लष्ट एवं टी बी संक्रमण एवं उससे बचाव, सुरक्षित व्यवहार, नियमित एच आई वी जांच तथा समय पर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ने के संबंध में आवश्यक जानकारी साझा की। आसरा की प्रोग्राम मैनेजर स्वाति शर्मा ने गतिविधि के दौरान समुदाय के सदस्यों को सेल्फ रिस्क असेसमेंट के बारे में भी समझाया ताकि वे स्वयं अपने एचआईवी संक्रमण से संबंधित संभावित जोखिम को समझ सकें। आवश्यकता पड़ने पर समय रहते एचआईवी जांच व अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकें।

सौर ऊर्जा अवधि में बिजली खपत पर स्मार्ट मीटर दिला रहे छूट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्राथमिकता से लगाए गए स्मार्ट मीटरों की वजह से दिन में सौर ऊर्जा अवधि सुबह 9 से शाम 5 तक की अवधि में विद्युत खपत की पृथक गणना कर टाईम ऑफ द डे छूट दी जा रही हैं। ऊर्जा प्रभार में बीस प्रतिशत मिलने वाली यह टीओडी छूट करीब पौने चौदह लाख उपभोक्ताओं को नियमानुसार दी जा रही हैं, इस छूट की मासिक कुल राशि बीस करोड़ रूपए से अधिक हैं। इंदौर शहर के उपभोक्ताओं को करीब 9 से 10 करोड़ रूपए की मासिक रियायत दी जा रही हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि सबसे पहले स्मार्ट मीटर कार्य प्रारंभ करने वाली पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी ने स्मार्ट मीटर योजना के श्रेष्ठ क्रियान्वयन के साथ ही नालेज शेयरिंग का कार्य भी प्रभावी ढंग से किया है।

हिंदी व गणित विषय का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड कक्षा 10 वी पढ़ाने वाले शिक्षकों की प्रतिमाह होने वाले प्रशिक्षण अंतर्गत हिंदी एवं गणित विषय का प्रशिक्षण शासकीय उत्कृष्ट उ मा वि इंदौर में प्राचार्य श्रीमती पूजा सक्सेना की अगुवाई में संपन्न हुआ। प्रशिक्षणार्थी एवं शिक्षक संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार ने बताया कि सभी विषयों में विद्यार्थियों को दक्ष बनाने समग्र शिक्षा अभियान द्वारा पूरे प्रदेश में प्रतिमाह विषय वार प्रशिक्षण दिए जायेंगे।

गुजरात से आई मिल्क सॉलिड व वेजिटेबल फैट युक्त मिठाई की जांच,350 किलो मिठाई जप्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में एवं अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला इंदौर द्वारा रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षित खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु विशेष निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में आज 26 अगस्त को संयुक्त दल द्वारा 165, ऋषि नगर, हवा बंगला रोड, इंदौर स्थित मां भुवनेश्वरी एंटरप्राइजेज का निरीक्षण किया गया। मौके पर प्रोपराइटर निलेश राठौर उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर गुजरात से आई श्री गोविंद स्वीट्स की दस-दस किलोग्राम की कंपनी पैकिंग के पैकेट पाए गए। प्रतिष्ठान संचालक द्वारा इन पैकेटों को खोलकर मिठाई को पेड़े के आकार में तैयार कर ट्रांसपेरेंट डिब्बों में पैक कर बिना आवश्यक डिक्लेरेशन के विक्रय किया जाना पाया गया। प्रारंभिक निरीक्षण में उक्त मिठाई में मिल्क सॉलिड के साथ वेजिटेबल फैट का उपयोग पाया गया। मौके से मिठाई के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही लगभग 350 किलोग्राम मिठाई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 60,000 है, को जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक जप्त किया गया। इसी क्रम में जैन नमकीन, विजय नगर से विभिन्न प्रकार के नमकीन के कुल 06 नमूने जांच हेतु लिए गए। इसके अतिरिक्त गोकुल प्रोडक्ट सप्लायर, दिव्यराक कॉलोनी, इंदौर से मिठाई के कुल 03 नमूने जांच हेतु लिए गए। भगत सिंह नगर स्थित मेसर्स श्री कृष्णा दूध दही भण्डार का निरीक्षण कर विक्रेता अम्बालाल से मावा और मावा कतली के नमूने लिए गए सभी नमूनों को खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला में जांच हेतु भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा रक्षाबंधन पर्व के दौरान मिठाई एवं नमकीन सहित अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

टीईटी परीक्षा के विरोध में 30 अगस्त को दिल्ली के जंतर मंतर पर जुटेंगे शिक्षक, अध्यादेश लाने की मांग

देश भर के शिक्षक जुटेंगे राजधानी दिल्ली में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग को लेकर शिक्षकों का विरोध अब दिल्ली तक पहुंचने जा रहा है। 30 अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पर देश भर के शिक्षकों ने आंदोलन का आह्वान किया है। ज्वाइंट टीचर्स फ्रंट ऑफ इंडिया के बैनर तले होने वाले इस प्रदर्शन के लिए राज्य शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष और फ्रंट के राष्ट्रीय संयोजक जगदीश यादव एवं प्रदेश सचिव संजय सेन ने शिक्षकों से दिल्ली पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्यता के विरोध की नहीं, बल्कि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के मान सम्मान, अनुभव, सेवा-सुरक्षा और भविष्य से जुड़ी हुई लड़ाई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन शिक्षकों ने वर्षों तक स्कूलों में बच्चों को पढ़ाया और चुनाव व जनगणना जैसे कार्यों की जिम्मेदारियां निभाईं, उनकी योग्यता को अब एक परीक्षा के आधार पर क्यों परखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस शिक्षक ने वर्षों तक बच्चों को पढ़ाया, देश के भविष्य को गढ़ा, राष्ट्रीय जिम्मेदारियां निभाईं, उसी शिक्षक की योग्यता पर आज प्रश्नचिह्न खड़ा करना उसके समर्पण और अनुभव का अपमान है। उन्होंने कहा कि शिक्षक की वर्षों की सेवा यात्रा को एक परीक्षा से नहीं आंका जा सकता है। संघ के प्रदेश सचिव संजय सेन ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2009 से पूर्व नियुक्त अध्यापकों और शिक्षकों पर टीईटी परीक्षा थोपे जाने का कड़ा विरोध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक 1995, 1998, 2001, 2005 और 2008 में शासन के सभी नियमों व अर्हताओं को पूरा करके नियुक्त हुए थे, उनसे सेवा के 20-25 वर्षों बाद और उम्र के इस पड़ाव (50 से 55 वर्ष) में प्रतियोगी परीक्षा लेना सरासर अन्यायपूर्ण है। आरटीआई एक्ट 2009 में लागू हुआ था, इसलिए 2009 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को इससे मुक्त रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश भर के 25 लाख शिक्षकों को इस परीक्षा से निजात दिलाने के लिए प्रदेश से हजारों शिक्षक 30 अगस्त को दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचेंगे। शिक्षक माननीय प्रधानमंत्री जी से मांग करेंगे कि भारत सरकार अध्यादेश लाकर 2009 से पूर्व सेवारत शिक्षकों को टीईटी से स्थायी मुक्ति प्रदान करे।

उन्होंने कहा कि शिक्षक गुणवत्ता के विरोधी नहीं हैं, लेकिन इसके नाम पर लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के भविष्य को असुरक्षित करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। संघ के जिलाध्यक्ष बंटी बैरागी जिला सचिव रवि वर्मा जिला महामंत्री अविनेश शर्मा महामंत्री भारत सिंह पंवार आदि पदाधिकारियों ने दिल्ली जंतर मंतर पर होने वाले शिक्षक प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील शिक्षक साथियों से की।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 27 अगस्त 2026

शाह को मंत्री पद से बर्खास्त किया जाए : पटवारी

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● मप्र सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी और उसके बाद राज्य सरकार द्वारा उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी न दिए जाने का मामला अब सर्वोच्च कोर्ट की दहलीज तक पहुंच गया है। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर महामहिम राष्ट्रपति को एक पत्र लिखा है। उन्होंने इसे राजनीतिक इतिहास का 'अत्यंत शर्मनाक अध्याय' बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत पूरे मंत्रिमंडल को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है।

पटवारी ने अपने पत्र में लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मांगी थी, लेकिन सरकार द्वारा इसे नामंजूर कर दिया गया। कांग्रेस का आरोप है कि राज्य सरकार एक 'बड़बोले

मंत्री' को राजनीतिक संरक्षण दे रही है और न्यायिक प्रक्रिया के सामने दीवार बनकर खड़ी हो गई है। पटवारी ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं और कहा है कि सेना का सम्मान किसी दल की जागीर नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का राष्ट्रीय स्वाभिमान है।

सुप्रीम कोर्ट की एसआईटी और सरकार के रुख पर उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी अभियोजन की स्वीकृति की मांग की है। ऐसे में सरकार का रुख देश के सामने एक गंभीर संवैधानिक प्रश्न खड़ा करता है, क्या सत्ता में बैठे व्यक्ति कानून से ऊपर हैं? यह आपराधिक घटनाक्रम उस कथित 'डबल इंजन सरकार' के अहंकार को उजागर करता है, जिसमें एक मंत्री के राजनीतिक संरक्षण के लिए लोकतांत्रिक, संवैधानिक और न्यायिक मर्यादाओं को चुनौती देने तक की स्थिति पैदा हो रही है। विजय शाह ने पहले सेना का अपमान किया। अब उन्हें बचाने की कोशिश उस अपमान और अपराध को संस्थागत संरक्षण देने जैसी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर भारतीय सेना, सैनिकों और उनकी शहादत के सम्मान को राष्ट्र के सर्वोच्च गौरव से जोड़ा है, यदि वे अपने ही शब्दों की गरिमा बनाए रखना चाहते हैं, तो उन्हें इस मामले में तत्काल और स्पष्ट हस्तक्षेप करना चाहिए, मेरा यह भी मानना है कि मप्र मंत्रिमंडल का असंवैधानिक निर्णय प्रधानमंत्री की राजनीतिक सहमति के बिना संभव नहीं था। यदि ऐसा नहीं है, तो प्रधानमंत्री को स्वयं आगे आकर देश के सामने स्पष्ट करना चाहिए कि वे विजय शाह को संरक्षण देने वाले इस निर्णय से 'असहमत' हैं, इसीलिए, आज देश प्रधानमंत्री से भी जवाब चाहता है।

पटवारी ने आगे लिखा 'प्रदेश के राजनीतिक इतिहास का यह एक अत्यंत शर्मनाक अध्याय है, जहां सवाल अब केवल विजय शाह के आचरण का नहीं, मुख्यमंत्री और पूरे मंत्रिमंडल की संवैधानिक एवं नैतिक जवाबदेही का है। इसलिए, प्रदेश में मुख्यमंत्री सहित अब पूरे मंत्रिमंडल को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए, महामहिम, आप सेना एवं संविधान की सर्वोच्च संरक्षक हैं। देश की जनता अब आपसे अपेक्षा करती है कि संविधान की मर्यादा, न्यायिक प्रक्रिया की स्वतंत्रता और भारतीय सेना के सम्मान की रक्षा के लिए अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करें। इस मामले में तत्काल दखल भी दें।'

न्यूज ब्रीफ

विद्याधाम पर भीम प्रदोष के उपलक्ष्य में द्वादश ज्योतिर्लिंग की मनोहारी झांकी का निर्माण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में चल रहे श्रावणी अनुष्ठान के दौरान भीम प्रदोष के महापर्व पर शिव मंदिर में 12 क्विंटल बर्फ से द्वादश ज्योतिर्लिंग का निर्माण कर आम भक्तों के दर्शनार्थ समर्पित किया गया। इस अनुपम और मनोहारी झांकी का निर्माण आचार्य पं. लोकेश शर्मा और उनके साथियों ने मन्दिर के न्यासी मंडल के पं. दिनेश शर्मा के मार्गदर्शन में किया। आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में मंदिर पर श्रावणी अनुष्ठान में प्रतिदिन संध्या को लक्ष्यार्चन आराधना एवं शिव महिम्न स्त्रोत के पाठ सहित भगवान शिवाशिव की आराधना के विभिन्न अनुष्ठान जारी हैं। प्रतिदिन गौदुग्ध, दही, गोघृत, मधु, गन्ने के रस, तीर्थ जल, तिल्ली के तेल आदि पदार्थों से अभिषेकात्मक लघु रुद्र के अनुष्ठान भी किए जा रहे हैं।

रक्तदान महादान : इंदौर से उठी मुहिम को मिली नई पहचान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश के पहले नि:शुल्क ब्लड कॉल सेंटर की स्थापना कर रक्तदान के क्षेत्र में ऐतिहासिक क्रांति लाने वाले अशोक नायक को महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा आधिकारिक तौर पर 'रक्तदान जन-जागरूकता अभियान' का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। इंदौर से शुरू हुई इस मानवीय मुहिम ने आज पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है। नायक के निरंतर प्रयासों और निस्वार्थ सेवा भाव के कारण लाखों जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराकर उनका जीवन बचाया जा सका है। इंदौर की धरती से शुरू हुई निशुल्क ब्लड कॉल सेंटर की पहल ने देशभर के मरीजों और रक्तदाताओं को एक मंच पर लाने का अभूतपूर्व कार्य किया है। नायक के नेतृत्व में चलाए गए अभियानों से अब तक लाखों लोगों को सही समय पर रक्त प्राप्त हुआ है जो उनका जीवन बचाने में कामयाब रहा।

अग्रवाल परिषद के सदस्य समाज में सुख, शांति एवं सदभाव की प्रार्थना करेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज की अग्रणी संस्था अग्रवाल परिषद द्वारा श्रावण मास के उपलक्ष्य में परिषद के 100 से अधिक सदस्यों के दल को पचमढ़ी यात्रा के लिए बिदाई दी गई। परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, यात्रा प्रमुख संयोजक अजय मंगल एवं सचिव आशीष गर्ग ने बताया कि महाराजा अग्रसेन की नवलखा स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन के पश्चात सदस्यों को बिदाई दी गई। इस यात्रा में गए सदस्य पचमढ़ी में धूपगढ़, गुप्त महादेव, पांडव गुफा एवं सूर्यास्त पॉइंट सहित विभिन्न स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा समापन पर गुप्त महादेव के समक्ष राष्ट्र एवं समाज में सुख, शांति एवं सद्भावना के साथ ही मालवांचल में सुखद वर्षा के लिए प्रार्थना करेंगे। यात्रा की व्यवस्थाएं सत्यनारायण अग्रवाल, राजेंद्र समाधान, तरुण गर्ग, आशीष सोनम अग्रवाल, अनिल अग्रवाल टिल्लू, संजय संगीता अग्रवाल, अमित-रितु गोयल एवं लोकेन्द्र शशि गर्ग संभालेंगे।

संसाररूपी घने जंगल में अपनी पगडंडी हमें स्वयं ही खोजनी व बनानी पड़ेगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संसार एक घना जंगल है। यहाँ हमें कोई दूसरा सही रास्ता बनाकर नहीं देगा। अपनी पगडंडी हमें स्वयं ही खोजनी और बनानी पड़ेगी। इसके लिए हमें खुद पढ़कर विवेक से चलकर सम्यक दर्शन के मार्ग तक पहुंचना होगा। जीवन में जब भी कोई शक्ति मिले तो उससे कमजोर को दबाने के बजाय उसे उठाने में लगाएं। सच्ची शक्ति वही है जो किसी के जीवन स्तर जो ऊपर उठाने के काम आए। यही आत्मविशुद्धि है, यही मानवता है और यही धर्म का वास्तविक प्रभाव है। संत शिरोमणि प.पू. विद्यासागर म.सा. के परम प्रभावक शिष्य और राष्ट्रसंत मुनि पुंगव प.पू. श्री सुधासागर महाराज ने सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में वीआईपी रोड स्थित किला मैदान, दलाल बाग परिसर में निर्मित विद्या-सुधा मंडप में चल रहे चातुर्मास महोत्सव की धर्मसभा में उक्त प्रेरक बातें कही। देश के प्रमुख राष्ट्रवादी नेता और आतंकवाद के खिलाफ लम्बी लड़ाई लड़ने वाले नेता मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने भी धर्मसभा में पहुंचकर राष्ट्रसंत से शुभाशीर्वाद प्राप्त किए और उनके सानिध्य को अपना सौभाग्य बताते हुए सभी समाजबंधुओं को चातुर्मास महापर्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। आयोजन समिति की ओर से चक्रवर्ती शिवानी-नवीन गोधा, तृप्ति-हर्ष जैन, सपना-मनीष गोधा, अंतिका-आनंद गोधा एवं दीपिका-आकाश जैन कोयला ने उनकी अगवानी की तथा देशभर से आए साधकों का स्वागत किया।

प्रारम्भ में चक्रवर्ती अध्यक्ष नवीन गोधा, सामाजिक संसद के अध्यक्ष आनंद गोधा, महोत्सव समिति के अध्यक्ष अशोक डोसी, महामंत्री हर्ष जैन आदि ने चातुर्मास के विभिन्न कार्यक्रमों और 28 अगस्त को शहर में पहली बार होने वाले दो लाख से अधिक श्रीफल से सामूहिक महाअर्घ्य समर्पित करने के रक्षाबंधन महामहोत्सव की विस्तृत जानकारी देते हुए इसे इंदौर के लिए एक ऐतिहासिक और स्वर्णिम अवसर बताया तो समूचा सभा मंडप राष्ट्रसंत के जयघोष से गूंज उठा। राष्ट्रसंत प.पू. सुधासागर म.सा. ने कहा कि आज के समाज की बड़ी विडम्बना यह है कि बलवान व्यक्ति कमजोर को उठाने की बजाय दबा रहा है। यही प्रवृत्ति समाज में अन्याय, हिंसा, शोषण और विनाश को जन्म देती है। वास्तविक बलवान वह होता है जो गिरे हुए को उठाए। धनवान वही है जो जरुरतमन्द के काम आए और ज्ञानी वही है जो अज्ञानी को ज्ञान दे। समर्थ वही है जो असमर्थ का सहारा बने। जिसके पास भोजन है उसे भूखे को भोजन देना चाहिए। सम्यक दर्शन की व्याख्या करते हुए राष्ट्रसंत ने कहा कि स्वयं को पहचानना ही सम्यक दर्शन की पहली सीढी है। जब तक हम 'मैं अच्छा हूँ और दुनिया गलत है' की दृष्टि और सोच को नहीं बदलेंगे, तब तक वास्तविक धर्म की शुरुआत नहीं हो पाएगी।

नवीन जिला कांग्रेस कार्यकारिणी, समन्वय समिति, ब्लॉक एव नगर कांग्रेस अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

बुधवार को जिला कांग्रेस कार्यालय धार में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव एवं धार जिला प्रभारी सुश्री उषा नायडू और प्रदेश कांग्रेस कमेटी धार के प्रभारी रघु परमार ने संयुक्त रूप से समन्वयक समिति, जिला कांग्रेस कमेटी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की बैठक ली।

बैठक की शुरुआत में जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए जिला कांग्रेस संगठन द्वारा किए गए कार्यों, संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी। कार्यक्रम को विधायक प्रताप ग्रेवाल, पूर्व विधायक पचुलाल मीणा, जी.पी. सिंह, धीरज दीक्षित, राधेश्याम मुवेल, सोहिल निसार, पारितोष सिंह राठौर, हरदेव जाट, हितेश ठाकुर, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर, प्रीति माहेश्वरी सहित अनेक कांग्रेस नेताओं ने संबोधित करते हुए संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। इसके बाद एआईसीसी प्रभारी सुश्री उषा नायडू ने जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों,ब्लॉक पदाधिकारियों से वन-टू-वन संवाद कर संगठन की

जमीनी स्थिति, विधानसभा स्तर पर संगठन की सक्रियता, कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर आवश्यक सुझाव एवं फीडबैक लिया गया बैठक में निर्णय लिया गया कि जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिले की प्रत्येक विधानसभा में ब्लॉक स्तर तक प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे, एव इसके पश्चात अन्य बिंदुओं पर प्रभारी नायडू एव जिला अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी के मध्य महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष ओम सोलंकी,राजेश पवार,सहित सभी जिला कांग्रेस के पदाधिकारी,कार्यकर्ता,महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस,एन,एस,यू. आई,सेवादल के पदाधिकारी कार्यकर्ता गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश राठौड़ ने एव आभार नव नियुक्त प्रवक्ता अनुपमा धर्मेंद्र राठौड़ ने माना।

नदी किनारे, फसलों के बीच मिले अवैध शराब के अड्डे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जिले में अवैध हाथभट्टी वाली जहरीली शराब के निर्माण, संग्रहण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीम ने ग्राम खिड़गांव, पिपलोदखास और कोठाघाट में मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर दबिश दी। अलग-अलग स्थानों पर की गई कार्रवाई में करीब 100 लीटर हाथभट्टी कच्ची शराब और 800 किलो महुआ लहान जब्त किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 95 हजार रुपए बताई गई है। आबकारी विभाग ने कार्रवाई में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 9 प्रकरण दर्ज किए हैं। विभाग का कहना है कि अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ विशेष अभियान पिछले करीब दो महीने से लगातार चलाया जा रहा है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी चंदनसिंह मीणा के मुताबिक, कार्रवाई के

दौरान टीम को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अवैध शराब बनाने और महुआ लहान छिपाकर रखने के स्थान आबादी से दूर नदी किनारे और खेतों में फसलों के बीच मिले। इन स्थानों पर आरोपी पुलिस और आबकारी विभाग की नजर से बचने के लिए शराब बनाने का काम करते थे। दबिश के दौरान टीम ने मौके से कच्ची शराब के साथ बड़ी मात्रा में महुआ लहान बरामद किया। जब्त महुआ लहान को मौके पर नष्ट किए जाने की कार्रवाई भी की गई।

नर्मदा का जलस्तर 873 फीट पहुंचा, बरगी बांध के 13 गेट खुलने से नदी उफान पर

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● नेमावर में नर्मदा नदी का जलस्तर मंगलवार को 873 फीट तक पहुंच गया। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हो रही मूसलाधार बारिश और बांधों से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा, जिससे पानी प्रसिद्ध सिद्धनाथ घाट के समीप तक पहुंच गया है। हालांकि दोपहर बाद जलस्तर में हल्की कमी दर्ज की गई। जबलपुर स्थित बरगी बांध के 13 गेट खुले होने की वजह से नर्मदा के निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने सिद्धनाथ घाट समेत अन्य नदी क्षेत्रों में निगरानी सख्त कर दी है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से उफनती नदी में स्नान न करने, नौकायन बंद रखने और बच्चों को तटों से दूर रखने की सख्त अपील की है। एसडीएम राजेंद्र पंवार, तहसीलदार जितेंद्र तोमर और नेमावर टीआई टीना शुक्ला की टीम स्थिति पर पल-पल की नजर बनाए हुए है।

श्रद्धा सुमन सेवा समिति के वरिष्ठ सहयोगी डॉ. विजयवर्गीय का निधन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रद्धा सुमन सेवा समिति से जुड़े वरिष्ठ समाजसेवी और कर्मयोगी डॉ. हरिनारायण विजयवर्गीय का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे शहर की अनेक सामाजिक धार्मिक संस्थाओं से जीवन पर्यन्त जुड़े रहे। गत 15 अगस्त को ही उनके आतिथ्य में श्रद्धा सुमन सेवा समिति द्वारा अखंड धाम आश्रम पर शहर की 7 प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। इसके मात्र 10 दिन बाद ही उनका आकस्मिक निधन हो गया। पिछले वर्ष सांसद शंकर लालवानी के आतिथ्य एवं महामंडलेश्वर स्वामी रामचरण दास महाराज, महामंडलेश्वर पवनदास महाराज, भागवताचार्य पं. पुष्पानंदन पवन तिवारी के सानिध्य में उनका सम्मान भी किया गया था।

मानसिकता सुधरने से चरित्र सुधरता है: आचार्य शुक्ला

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● चारभुजानाथ मंदिर में श्रीराम कथा का विश्राम, श्री चारभुजानाथ महिला मंडल ने व्यासपीठ का पूजन किया श्रावण मास के अवसर पर श्री चारभुजानाथ मंदिर में आयोजित श्रीराम कथा का बुधवार को विश्राम हुआ। अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा सुनने पहुंचे। व्यासपीठ से आचार्य आनंद शुक्ला ने कहा कि मानसिकता सुधरने से चरित्र सुधरता है। चरित्र सुधारने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को प्रतिदिन रामचरितमानस का पाठ और स्मरण करना चाहिए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

शौक बड़ी चीज़ है

नीली छतरी वाले ने हम सब में एक न एक अनोखी विद्या दी है। इंसान तो क्या उसने चींटी तक को सूँघने की और मकड़ी को जाला बुनने की कृपा बरसाई है ज़रुरी है हम अपनी उस अनोखी क़ाबिलियत को पहचानें। वह गाना, लिखना, खेल, बागवानी, मिमिक्री, पेंटिंग कुछ भी हो सकती है। करियर या तरक़्क़ी की अंधी दौड़ में हमारा वह शौक़ हमसे छूट जाता है। ज़रूरी है उसे बचाएँ और ज़माने के सामने लाएँ। एक सेब में कितने बीज होते हैं ये कोई भी गिन सकता है पर एक बीज से कितने सेब बनेंगे उसकी गिनती कोई नहीं बता सकता! प्रत्येक मनुष्य में अज्ञात सम्भावनाएँ छिपी हुई हैं पर अनेक लोग खुद को उजागर किये बिना ही मृत्युलोक में चले जाते हैं। यहाँ मामला आलस्य का नहीं बल्कि खुद से दूर भागने का है। इनमें सबसे अभागे वे हैं जिन्हें स्वयं की क्षमताओं का आभास तो हमेशा से था परन्तु वे संभावनाओं की विराटता से घबरा गए। अगर आपको नृत्य करना आता है तो आपको खुद आगे आना होगा। अगर आपको गाना आता है तो आपको खुद आगे आना होगा। शुरू में दुनिया को और आपको खुद को भी यह लगेगा कि हम अतिक्रमण कर रहे हैं लेकिन धीरे-धीरे हमारी प्रस्तुति निखरती जायेगी। एक दिन वह भी आएगा जब उस विधा का ज़िक्र आते ही दुनिया आपको तलाशेगी। दूसरा और बड़ा कारण इस शौक़ को बचाने का यह है कि हो सकता है आज हमें उसकी ज़रुरत न भी हो; व्यस्तता और भागम भाग में उसके बगैर भी जीवन आसानी से कट जाए पर एक न एक दिन जीवन का उत्तरार्ध आएगा। यह ज़माना, समाज और बाज़ार हमें खारिज कर देगा। तब यही हॉबी हमें ऑक्सीजन प्रदान करेगी, हमारे बुढ़ापे के टाइम पास का सहारा बनेगी। मसलन अगर हमें बाग़बानी का शौक़ था और यदि हमने उसे बचा रखा हो तो पौधे में आए फूल व फल हमें उतना ही आनंद देंगे जितना हमें अपने बड़े होते बच्चे देते हैं। अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का कोई भी उचित अवसर कभी हाथ से न जाने दें।

-सतीश शर्मा

मिठास का कड़वा गणित-चीनी के भावों के उतार-चढ़ाव का असल खेल

भारत में चीनी केवल रसोई का एक आवश्यक हिस्सा नहीं है, बल्कि यह देश के आर्थिक और राजनीतिक ताने-बाने को नियंत्रित करने वाली एक बेहद संवेदनशील कमोडिटी भी है। हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में आई अचानक उछाल ने एक बार फिर उपभोक्ताओं की जेब पर असर डाला है और नीति-निर्माताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। खुदरा बाजार में चीनी के दाम अचानक प्रति किलो कई रुपये चढ़ गए हैं। आम उपभोक्ता के लिए यह केवल एक सामान्य महंगाई की मार हो सकती है, लेकिन राजनीतिक-आर्थिक चश्मे से देखें तो इसके पीछे 'डिमांड और सप्लाई' के पारंपरिक नियम से कहीं बड़ा और पेचीदा खेल चल रहा है। इस खेल में मौसम की अनिश्चितता, एथनॉल निर्माण की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय नीतियां, सरकारी अनुमानों के यू-टर्न, अंतरराष्ट्रीय बाजार का दबाव और सबसे बढ़कर, घरेलू बाजार के सटोरियों व रसूखदार जमाखोरों का सिंडिकेट शामिल है। चीनी के इस पूरे चक्रव्यूह को समझे बिना हम इसकी कीमतों के उतार-चढ़ाव के असल खेल को नहीं समझ सकते।

चीनी उद्योग का सबसे पहला और बुनियादी खेल गन्ने की पैदावार बनाम चीनी की 'रिकवरी रेट' के बीच छुपा होता है। अक्सर आम जनता और यहाँ तक कि सरकारें भी गन्ने की लहलहाती फसल देखकर यह मान लेती हैं कि इस साल चीनी का बंपर उत्पादन होगा। लेकिन हकीकत इसके उलट होती है। इस सीजन में भी गन्ने की फसल खेतों में खड़ी जरूर दिखी, लेकिन मौसम के मिजाज ने पूरा खेल बिगाड़ दिया। मानसून की अनिश्चितता और ऐन वक्त पर तापमान में आए असंतुलन के कारण गन्ने की फसल 'रेड रोट' जैसी फंगस जनित बीमारियों की शिकार हो गई। इसका सीधा असर गन्ने के अंदर मौजूद रस की मात्रा और उसकी गुणवत्ता पर पड़ा। जब यह गन्ना मिलों में पेराई के लिए पहुँचा, तो रिकवरी रेट, यानी गन्ने के वजन के मुकाबले चीनी निकलने का प्रतिशत काफी नीचे गिर गया। शुरुआती अनुमानों में जहां देश के भीतर करीब 343 लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद जताई जा रही थी, वहीं यह रिकवरी रेट गिरने के कारण घटकर लगभग 306 लाख टन पर ही सिमट गया। यानी फसल दिखने में अच्छी थी, लेकिन मिलों से निकलने वाली चीनी का वास्तविक उत्पादन उम्मीद से 37 लाख टन कम रहा। यह उत्पादन का पहला कड़वा सच है जो बाजार में कमी की शुरुआती बुनियाद रखता है।

चीनी के भावों में आए इस उबाल के पीछे सरकार की 'एथनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी' का भी एक बड़ा रणनीतिक हाथ है। कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए सरकार पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिलाने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रही है। एथनॉल बनाने के लिए सबसे मुफीद और आसान जरिया गन्ने का रस या भारी शीरा होता है। जब चीनी मिलों को गन्ने के रस से सीधे एथनॉल बनाने की अनुमति मिली, तो मिल मालिकों के लिए यह अधिक मुनाफे का सौदा साबित हुआ। बाजार के विश्लेषकों का एक वर्ग यह आरोप लगाता रहा है कि भारी मात्रा में गन्ने के रस को एथनॉल निर्माण की तरफ मोड़ने के कारण घरेलू बाजार में चीनी का स्टॉक कम हुआ और कीमतें बढ़ीं। हालांकि, सरकार के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि इस साल उत्पादित कुल एथनॉल का लगभग 68 प्रतिशत हिस्सा मक्का और खराब हो चुके अनाजों से आया है, और चीनी का केवल 9 प्रतिशत हिस्सा ही एथनॉल के लिए इस्तेमाल हुआ। इसके बावजूद, बाजार एक मनोवैज्ञानिक धारणा पर काम करता है। जैसे ही सटोरियों को यह संदेश जाता है कि गन्ना चीनी के बजाय ईंधन बनाने में जा रहा है, वे बाजार में कृत्रिम कमी का डर दिखाकर कीमतों को बढ़ाना शुरू कर देते हैं।

चीनी के खेल को नियंत्रित करने वाला तीसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी खुद सरकार की व्यापारिक नीतियां और उनके बदलते आंकड़े हैं। चीनी एक ऐसी कमोडिटी है जिस पर सरकार की पैनी नजर होती है, लेकिन कई बार जमीनी हकीकत को भांपने में होने वाली देरी बाजार को पूरी तरह अस्थिर कर देती है। इस सीजन की शुरुआत में जब मिलों और सरकारी विभागों ने बंपर स्टॉक का अनुमान लगाया, तो सरकार ने चीनी के निर्यात को हरी झंडी दे दी। इसके तहत लगभग 20 लाख टन चीनी देश से बाहर भेज दी गई ताकि मिल मालिकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के ऊंचे दामों का फायदा मिल सके और वे किसानों के गन्ने का भुगतान समय पर कर सकें। लेकिन जैसे ही मध्य-सीजन में कम रिकवरी के कारण चीनी का वास्तविक उत्पादन घटने लगा, सरकार को अपनी रणनीति अचानक बदलनी पड़ी। आनन-फानन में निर्यात पर रोक लगाई गई और घरेलू बाजार में आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तुरंत 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की घोषणा करनी पड़ी। सरकार की नीतियों में आया यह अचानक यू-टर्न बाजार के बड़े व्यापारियों के लिए एक स्पष्ट संकेत होता है। वे समझ जाते हैं कि सरकार के पास स्टॉक की कमी है, और यहीं से सट्टेबाजी का असली खेल शुरू होता है।

जब उद्योग जगत के शीर्ष संगठन 'इंडियन शुगर एंड बायोएनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन' के बयानों को देखा जाए, तो उनका स्पष्ट कहना है कि देश में चीनी की कोई वास्तविक या भौतिक किल्लत नहीं है। देश की आबादी की जरूरत को पूरा करने के लिए गोदामों में पर्याप्त चीनी मौजूद है। तो फिर दाम क्यों बढ़ रहे हैं? इसका जवाब है—जमाखोरी और कृत्रिम किल्लत का संगठित सिंडिकेट। यह खेल थोक व्यापारियों, बड़े डीलरों और वायदा बाजार के सटोरियों द्वारा खेला जाता है। जैसे ही मौसम की खराबी या आयात-निर्यात नीतियों में बदलाव की खबरें आती हैं, यह सिंडिकेट सक्रिय हो जाता है। विशेषकर त्योहारों के सीजन के दौरान, जब मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माताओं की मांग चरम पर होती है, ये बड़े डीलर एडवांस में ही चीनी का भारी स्टॉक दबा लेते हैं। मिलों से बाजार तक आने वाली सप्लाई चेन को जानबूझकर धीमा कर दिया जाता है। जब मांग बहुत ज्यादा हो और बाजार में माल कम दिखे, तो कीमतें अपने आप आसमान छूने लगती हैं। इस तरह बिना किसी वास्तविक कमी के, केवल कागजी और गोडाउन के स्तर पर कमी दिखाकर करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाया जाता है।

चीनी केवल स्थानीय बाजार की वस्तु नहीं है, यह एक वैश्विक कमोडिटी भी है। जब भी दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देशों जैसे ब्राजील, थाईलैंड या भारत में मौसम बिगड़ता है, तो अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंजों में चीनी के दाम तेजी से बढ़ने लगते हैं। भारतीय चीनी मिलें हमेशा इस फिराक में रहती हैं कि वे वैश्विक बाजार की इस तेजी का लाभ उठाएं। भले ही सरकार निर्यात पर पाबंदी लगा दे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी कीमतें घरेलू मिल मालिकों को एक मजबूत मोलतोल की शक्ति देती हैं। वे घरेलू बाजार में भी चीनी की एक्स-मिल कीमतें बढ़ा देते हैं। इसके अलावा, भारत में गन्ने की 'उचित और लाभकारी मूल्य' यानी एफआरपी सरकार तय करती है, जो हर साल किसानों के राजनीतिक दबाव में बढ़ानी पड़ती है। जब इनपुट कॉस्ट बढ़ती है, तो मिलें अपनी उत्पादन लागत निकालने और मुनाफा कमाने के लिए चीनी के दाम बढ़ाने को मजबूर हो जाती हैं, जिसका अंतिम बोझ आम उपभोक्ता पर ही पड़ता है।

चीनी के भावों के बढ़ने-घटने का यह असल खेल यह साबित करता है कि यह उद्योग केवल कृषि का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह राजनीति, कॉर्पोरेट मुनाफे और प्रशासनिक चूक का एक त्रिकोण है। सरकार ने हाल ही में इस बेकाबू होते खेल को रोकने के लिए कुछ कड़े प्रशासनिक कदम उठाए हैं, जैसे चीनी डीलरों के लिए 400 टन की स्टॉक सीमा तय करना और कोल्ड ड्रिंक व मिठाई निर्माताओं जैसे बड़े उपभोक्ताओं पर 15 दिनों से अधिक का स्टॉक रखने पर पाबंदी लगाना। साथ ही मिलों को 15 अक्टूबर से ही पेराई शुरू करने का निर्देश दिया गया है ताकि त्योहारों में नई चीनी बाजार में आ सके। लेकिन ये सभी उपाय तात्कालिक और सामयिक राहत देने वाले ही हैं। यदि इस खेल को हमेशा के लिए बंद करना है, तो सरकार को एक दीर्घकालिक और स्थिर नीति बनानी होगी। गन्ने के रस से एथनॉल बनाने और चीनी बनाने के अनुपात को इस तरह संतुलित करना होगा कि वह मौसम की अनिश्चितता से प्रभावित न हो। साथ ही, कृषि और खाद्य मंत्रालयों के बीच उपग्रह आधारित सटीक फसल अनुमान प्रणाली विकसित करनी होगी ताकि नीतिगत यू-टर्न से बचा जा सके। जब तक जमाखोरी के सिंडिकेट को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाएगा और मिलों की वास्तविक वित्तीय स्थिति को पारदर्शी नहीं बनाया जाएगा, तब तक चीनी की मिठास के पीछे का यह कड़वा खेल हर कुछ सालों में इसी तरह आम जनता की जेब पर डाका डालता रहेगा।

अशोक भाटिया
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

मेधावी जनजातीय विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

जनजाति विकास मंच ने 10वीं-12वीं के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को किया सम्मानित

अजय नलवाया (7879800048)

धार • दैनिक इंदौर संकेत

जनजाति विकास मंच धार एवं तिरला ब्लॉक के संयुक्त तत्वावधान में जनजातीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन धार स्थित पीजी कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में धार एवं तिरला विकासखंड की विभिन्न शासकीय हाईस्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन, आयोजन एवं व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी जनजाति विकास मंच के जिला युवा प्रमुख प्रकाश सोलंकी के नेतृत्व एवं दिशा-निर्देशन में रही। उनके मार्गदर्शन में धार एवं तिरला ब्लॉक के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। अतिथियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा, भारत माता एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा का चित्र एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों के परिजनों को भी भगवान बिरसा मुंडा का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें विद्यार्थी

कार्यक्रम के वक्ता रुपसिंग जी नागर भाई साहब ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि व्यक्ति अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करता है, तो बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

जनजाति विकास मंच के पूर्ण कालिक

रामप्रकाश मछार भाई साहब ने जनजाति विकास मंच के पूर्ण कालिक के द्वारा उद्देश्यों एवं समाजहित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी विद्यार्थियों को दी तथा उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि श्रीमती पारुल बेलपुरकर एडिशनल एसपी, धार ने विद्यार्थियों को मेहनत एवं अनुशासन के साथ पढ़ाई करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि सामान्य परिवार से आने वाला बच्चा भी मेहनत और सही दिशा के माध्यम से बड़ा अधिकारी बन सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करने तथा ऑनलाइन फ्रॉड से सावधान रहने की सलाह दी।

वहीं आर.आर. दागी, जिला जेल अधीक्षक ने अध्यक्षता की और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए जनजातीय समाज की सभ्यता, संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों की सराहना की और विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से समाज एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। वही चंद्रपाल ठाकुर विधि प्रमुख के द्वारा छात्रों के द्वारा समानित किया गया।

इन कार्यकर्ताओं का रहा सहयोग

कार्यक्रम को सफल बनाने में तिरला ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप मकवाना, मयाराम वास्केल, बघेल, लखन अर्जुन डावर सहित अन्य कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। वहीं धार ब्लॉक से ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन राठोर, लोकेश जी मंडलोई, महेश चांदना ,भगवान भूरा, राकेश चौहान, गोल्डन, मुकेश डोडियार, मुन्नालाल पटेल दीपक रावल राजेश मुवेल सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिला युवा प्रमुख प्रकाश सोलंकी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतिभा सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं जनजाति विकास मंच के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। समारोह के दौरान विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों में उत्साह का माहौल रहा।

मांडू के प्रमुख महलों के सामने जलभराव

दैनिक इंदौर संकेत

मांडू • जामा मस्जिद महल क्षेत्र में बुधवार को पहुंचे पर्यटकों ने जलभराव को लेकर नाराजगी व्यक्त की। बारिश के पानी का जमाव मुख्य सीढ़ियों के सामने होने से पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में मांडू में बारिश का मौसम चल रहा है और बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक यहां आ रहे हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधीन आने वाले इन प्राचीन ऐतिहासिक स्थलों पर भारतीय पर्यटकों से 25 रुपये और विदेशी पर्यटकों से 300 रुपये का टिकट शुल्क लिया जाता है। जामा मस्जिद महल और उसके पीछे स्थित होशंगशाह महल के टिकट बुकिंग क्षेत्र से लेकर जामा मस्जिद की सीढ़ियों तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर पिछले दो-तीन महीनों से बारिश का पानी जमा है। यह समस्या पिछले कई वर्षों से मांडू आने वाले पर्यटकों के लिए बनी हुई है। पर्यटकों ने इस स्थिति पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इंदौर से आए पर्यटक गौरव दुबे और गुजरात के शमशेर राजपूत ने बताया कि जब मुख्य महलों के प्रवेश द्वार पर ही यह हाल है, तो व्यवस्थाओं पर सवाल उठता है। उन्होंने कहा कि टिकट देने के बावजूद उन्हें गंदगी और कीचड़ के बीच से गुजरना पड़ रहा है, जिससे उनके कपड़े भी खराब हो रहे हैं। पर्यटकों ने चिंता जताई कि ऐसी लापरवाही से मांडू की छवि खराब होगी।

खलघाट-मनावर-मांगोद फोरलेन सड़क को कैबिनेट ने दी मंजूरी

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर • मप्र कैबिनेट ने खलघाट-मनावर-मांगोद मार्ग को फोरलेन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में परियोजना को हरी झंडी मिली। इससे मनावर विधानसभा क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। मनावर विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने बुधवार को बताया कि वे लंबे समय से खलघाट-मनावर-मांगोद मार्ग को फोरलेन करने की मांग विधानसभा में उठा रहे थे। उन्होंने कहा कि परियोजना में मनावर बाईपास का निर्माण भी महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा। विभागीय सूत्रों के अनुसार खलघाट से मांगोद तक करीब 100 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। यह मार्ग गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र को जोड़ने वाले फोरलेन नेटवर्क से जुड़ेगा। इससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और सड़क मार्ग की रणनीतिक महत्ता बढ़ेगी।

गलत नक्शे से मकान-दुकान तोड़ने का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • भकराड़ा गांव में आबादी की जमीन को चरनोई भूमि बताकर अतिक्रमण की कार्रवाई किए जाने का मामला अब जनसुनवाई तक पहुंच गया है। ग्रामीणों ने नायब तहसीलदार महादेव राठौर और पटवारी राजेश मंडलोई पर राजस्व रिकॉर्ड के नक्शे में गड़बड़ी कर कार्रवाई कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि, गलत ऑनलाइन नक्शे के कारण आबादी की जमीन पर वर्षों से रह रहे लोगों को अतिक्रमणकारी बता दिया गया। इसके बाद 50 से 70 लोगों के मकान और दुकानें तोड़ दी गईं, जबकि 100 से अधिक लोगों से अलग-अलग राशि का जुर्माना भी वसूला गया। ग्रामीणों ने मंगलवार को जनसुनवाई में शिकायत करते हुए मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों को पद से हटाकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। शिकायत के दौरान जनपद सदस्य बृजेंद्रसिंह पंवार, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष चंदन सिंह पंवार, लक्की राजपूत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

नए कपास की खरीदी शुरू, जयेश कॉटन इंडस्ट्रीज ने की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी • तहसील में प्रमुख कृषि उपज सफेद सोने यानी नए कपास की खरीदी का बुधवार को शुभारंभ हुआ। सुसारी स्थित जयेश कॉटन इंडस्ट्रीज ने मुहूर्त के दौरान नए कपास को 9101 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर खरीदा। पहले दिन करीब 1500 क्विंटल नए कपास की आवक दर्ज की गई। मप्र के निमाड़ क्षेत्र में जयेश कॉटन इंडस्ट्रीज, सुसारी ने कपास के नए सीजन की खरीददारी शुरू की। जिनिंग फैक्ट्री के मालिक राजू भाई पाटीदार ने किसानों का स्वागत किया और तौल कांटे की पूजा कर नए कपास की खरीदी का मुहूर्त किया। इस दौरान कपास का मुहूर्त भाव 9101 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

राजू भाई पाटीदार ने बताया कि गर्मी के मौसम में बोए गए कपास की आवक अब शुरू हो गई है। आज से खरीदी का शुभारंभ किया गया। ट्रॉलियों में कपास लेकर आए किसानों का भी स्वागत-सत्कार किया गया और 9101 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से खरीदी की गई। उन्होंने यह भी बताया कि मुहूर्त के कारण आज किसानों को कपास के भाव बढ़ाकर दिए गए और आने वाले दिनों में आवक बढ़ने की उम्मीद है। नए कपास की खरीदी के इस अवसर पर इंदौर से दलाल बकुल एरन, श्रीराम ऑयल मिल के नितिन गोयल सहित कई कपास व्यापारी उपस्थित रहे।

मिर्च के भाव गिरे, किसान ने फसल पर रोटावेटर चलाया

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिले में मिर्च के गिरते दामों ने किसान की मेहनत पर पानी फेर दिया। किसान प्रदीप कुमरावत ने अपनी दो एकड़ में खड़ी तैयार मिर्च की फसल पर रोटावेटर चला दिया। फसल तैयार करने में करीब एक लाख रुपए खर्च हुए थे। प्रदीप ने बताया कि पहली दो तुड़ाई में मिर्च का भाव 20 से 25 रुपए किलो मिला था। इसके बाद भाव लगातार गिरता गया। तीसरी तुड़ाई तक सिर्फ मजदूरी 6 रुपए किलो हो गई थी। इसके अलावा वाहन भाड़ा और पैकिंग का खर्च भी था। बाद में मिर्च का भाव घटकर 8 रुपए किलो रह गया। इस भाव में तुड़ाई, मजदूरी, पैकिंग और परिवहन का खर्च निकालना भी मुश्किल हो गया। इसलिए ट्रैक्टर चला दिया। दरअसल, किसानों के पास मिर्च बेचने के लिए स्थानीय मंडी की सुविधा नहीं है। उन्हें कमीशन एजेंटों के जरिए उपज इंदौर और दूसरे बड़े शहरों की मंडियों में भेजनी पड़ती है।

ग्रैंड चेस टूअर फाइनल में प्रज्ञानानंद को झटका

सेंट लुइस। (एजेंसी) • ग्रैंड चेस टूअर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में फैबियानो कारुआना ने आर. प्रज्ञानानंद के खिलाफ पहला क्लासिकल गेम अपने नाम कर लिया। सेंट लुइस में खेले गए मुकाबले में अमरीकी ग्रैंडमास्टर ने भारतीय खिलाड़ी की एक अहम गलती का फायदा उठाते हुए जीत दर्ज की और मैच स्कोर में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले की शुरुआत में प्रज्ञानानंद ने कारुआना को कड़ी टक्कर दी। इटालियन ओपनिंग से निकली बाजी के मिडलगेम में भी स्थिति लंबे समय तक लगभग बराबर बनी रही। कारुआना को निर्णायक बढ़त हासिल करने के लिए प्रज्ञानानंद की एक गलती का इंतजार करना पड़ा। इसके बाद अमरीकी खिलाड़ी ने अपनी बढ़त को कायम रखते हुए गेम को जीत में बदल दिया। इस जीत के साथ कारुआना को फाइनल के मौजूदा स्कोरिंग सिस्टम में छह अंक मिले। प्रज्ञानानंद के लिए वापसी का मौका अभी बाकी है, क्योंकि खिताबी मुकाबले में क्लासिकल गेम के बाद रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबले भी खेले जाने हैं।

यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी पर कार्रवाई करें : संजय

नई दिल्ली (एजेंसी) • क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के हालिया मैदान पर विवादों के बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने बीसीसीआई और आईसीसी को टैग कर खिलाडियों के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, प्रिय आईसीसी और बीसीसीआई पहले वैभव और अब जायसवाल। अगर आप उन्हें इस तरह के व्यवहार के लिए बार-बार छोड़ते रहेंगे, तो आप उन्हें दोबारा ऐसा बर्ताव दोहराने के लिए ही तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार क्रिकेट और खिलाडियों के अपने भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है। यशस्वी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में असिथा फर्नांडो से उलझ गए थे।

शहजान ने गायन की दुनिया में रखा कदम

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री शहजान पद्मसी ने अपने नए गीत 'रात कालिया' के जरिए गायन की दुनिया में कदम रखा है। अभिनय के बाद संगीत के क्षेत्र में अपनी नई शुरुआत को लेकर उत्साहित शहजान का कहना है कि गायन के प्रति उनका लगाव पहले से रहा है, लेकिन फिल्मों में लगातार काम मिलने के कारण संगीत का सपना कुछ समय के लिए पीछे छूट गया था। शहजान पद्मसी ने बताया कि अभिनय का उनका सफर अचानक शुरु हुआ और उन्हें काम करते हुए काफी आनंद मिला। एक के बाद एक परियोजनाएं मिलने लगीं और वह लगातार अपने अभिनय करियर में आगे बढ़ती रहीं। कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 2' में पारुल के किरदार के बाद उन्हें महसूस हुआ कि उनके भीतर रचनात्मकता का एक दूसरा पक्ष भी है, जिसे तलाशने की जरूरत है। इसके बाद उन्होंने संगीत की ओर गंभीरता से कदम बढ़ाने का फैसला किया। शहजान ने बताया कि उनकी मां शेरोन प्रभाकर भारत की शुरुआती पॉप गायिकाओं में शामिल रही हैं। मां के अनुभव और मार्गदर्शन ने उनके संगीत सफर को मजबूत आधार दिया। दोनों ने लंबे समय तक साथ बैठकर रियाज किया।

फिल्म 'दायरा' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री करीना कपूर और दक्षिण भारतीय अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म 'दायरा' का नया पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। पोस्टर में दोनों कलाकारों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी देखने को मिल रही है। फिल्म का ट्रेलर 31 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। पोस्टर में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन एक-दूसरे की पीठ से पीठ लगाए खड़े नजर आ रहे हैं। दोनों के आसपास पुलिस टेप की कई परतें दिखाई दे रही हैं, जबकि पृष्ठभूमि में एक धुंधला चेहरा नजर आता है। पोस्टर फिल्म की रहस्यमयी दुनिया की झलक देते हुए कहानी को लेकर कई सवाल खड़े करता है। पोस्टर में दोनों किरदारों के अलग-अलग नजरिए और उनके बीच की अनजानी कड़ी को लेकर उत्सुकता पैदा की गई है। फिल्म की कहानी से जुड़े अहम पहलुओं को फिलहाल पर्दे के पीछे रखा गया है, जिससे 31 अगस्त को रिलीज होने वाले ट्रेलर को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। 'दायरा' जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज की पहली साझेदारी है। वहीं, निर्देशक मेघना गुलजार और जंगली पिक्चर्स तीसरी बार साथ आए हैं। इससे पहले दोनों 'तलवार' और 'राजी' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित 'दायरा' का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्मकार मेघना गुलजार ने किया है। फिल्म की कहानी यश केसवानी, सीमा अग्रवाल और मेघना गुलजार ने लिखी है। फिल्म में सच्चाई, न्याय और जवाबदेही के बीच उलझती कहानी को रोमांचक अंदाज में पेश किए जाने की उम्मीद है।

सिंधु और आयुष चाइना मास्टर्स में नजर नहीं आयेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) •पीवी सिंधु अगले माह की शुरुआत में होने वाले चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगी। सिंधु के अलावा पुरुष एकल खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। चाइना ओपन अगले माह 1 सितंबर से शुरु हो रहा है। एशियाई खेलों से पहले बीडब्लयएफ विश्व टूर का यह एकमात्र बड़ा इवेंट है, जिसका आकर्षण इन खिलाड़ियों के नहीं होने से कम होगा। हाल में हुई विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने पहले ही दौर में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी शी युकी को हैरानर कर दिया था। हालांकि, वह राउंड ऑफ 16 में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से हार गए थे। वहीं सिंधु भी वर्ल्ड चैंपियनशिप में राउंड ऑफ 16 तक पहुंची थी पर चीन की दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी वांग झी यी से उन्हें कड़े मुकाबले में हार झेलनी पड़ी थी। माना जा रहा है कि उस मैच से उन्हें जो थकान हुई है। उसी कारण वह चायना ओपन नहीं खेल रही है।पुरुष एकल में आयुष के हटने के बाद अब लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत भारत की आर से उतरेंगे। लक्ष्य ने विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जहां वह दूसरे दौर में अमेरिका के दुनिया के नंबर 92 खिलाड़ी गैरेट टैन से हारकर जल्दी बाहर हो गए थे। दूसरी ओर महिला एकल में मालविका बंसोद और आकर्षी कश्यप भी नहीं उतरेंगी। ऐसे में अब उन्नति हुड्डा, देविका सिहाग और तन्वी शर्मा भारत की ओर से पदक दावेदार रहेंगी।

पुरुष युगल में विश्व चैंपियनशिप में चोट के कारण ब्रेक के बाद वापसी करने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वे राउंड ऑफ 16 में अंततः चैंपियन बने चीन के लियांग वेइकेन्ग और वांग चांग से हार गए थे। उनके साथ हरिहरन अमासुकरन और अर्जुन एमआर भी भारतीय दल में शामिल हैं। महिला युगल में भारत की कोई जोड़ी नहीं होगी, क्योंकि भारत की ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। दूसरी ओर मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो के साथ-साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी भारत की ओर से उतरेंगे।

उज्जैन संभाग

महाकाल मंदिर में उपद्रव: बैरिकेडिंग तोड़ी, सुरक्षाकर्मियों से मारपीट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार दोपहर दर्शन व्यवस्था को लेकर कुछ कावड़ियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि इंदौर निवासी सचिन मराठा अपने करीब 30-40 साथियों के साथ नंदी हॉल में बैरिकेडिंग पार कर सीधे दर्शन करने की जिद करने लगा। समझाने पर विवाद बढ़ गया और कथित रूप से बैरिकेडिंग तथा व्यवस्थात्मक अवरोधों को क्षतिग्रस्त किया गया। सावन माह के चलते मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है और दर्शन निर्धारित बैरिकेडिंग व्यवस्था के माध्यम से कराए जा रहे थे। इसी दौरान सचिन मराठा और उसके साथियों ने नंदी हॉल से सीधे दर्शन कराने की मांग की। समझाने पर मामला विवाद में बदल गया। घटना के दौरान सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप है। मंदिर सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों में रोहित पाटीदार, अभिषेक चौधरी, सुरेश सोलंकी, विक्रम मालवीय, जितेन्द्र, ममता बोरी और निशा के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घायलों के हाथ, पैर, सिर और कोहनी पर चोटें आई हैं।मामले में कोर सिक्योरिटी कंपनी के सुपरवाइजर प्रदीप बाथम, निवासी ग्राम रुई, भैरवगढ़, उज्जैन की शिकायत पर पुलिस ने मुख्य आरोपी सचिन मराठा तथा 30-40 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मंदिर समिति ने जताई सख्ती

महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने घटना को गंभीरता से लेते हुए संबंधित लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई शुरू करने की बात कही है। समिति ने स्पष्ट किया कि धार्मिक आस्था की आड़ में मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था से छेड़छाड़, बैरिकेडिंग तोड़ना, मंदिर संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, सुरक्षाकर्मियों से मारपीट अथवा निर्धारित दर्शन व्यवस्था का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। समिति ने श्रद्धालुओं से शांति बनाए रखने, निर्धारित मार्ग और दर्शन व्यवस्था का पालन करने तथा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है, ताकि सभी श्रद्धालु सुरक्षित और सुगम रूप से बाबा महाकाल के दर्शन कर सकें।

रामोला मंदिर की करोड़ों की संपत्ति के मालिक श्रीराम

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा • खाचरौद स्थित ऐतिहासिक रामोला मंदिर और उसकी करीब 100 करोड़ रुपए की संपत्ति से जुड़े 72 साल पुराने विवाद पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति विनय सराफ ने जिला अदालत के पुराने फैसले को निरस्त करते हुए स्पष्ट किया कि मंदिर और उसकी सभी संपत्तियों के वास्तविक स्वामी भगवान श्रीराम हैं। अदालत ने अयोध्या राम लला मंदिर की तर्ज पर फैसला देते हुए कहा कि संपत्तियों पर किसी व्यक्ति या समाज का अधिकार नहीं होगा। मंदिर का प्रशासनिक प्रबंधन राजस्व विभाग के अधीन रहेगा और उज्जैन कलेक्टर इसके प्रबंधक के रूप में काम करेंगे। पुजारी की नियुक्ति या हटाने का अधिकार भी किसी निजी समाज के पास नहीं होगा। अदालत ने वर्तमान पुजारी रतनदास की नियुक्ति को वैध माना। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि रामोला मंदिर मठ नहीं है, इसलिए यहां पुजारी का ब्रह्मचारी होना अनिवार्य नहीं है। ऐसे में रतनदास के विवाह के बाद भी पुजारी पद पर बने रहने को लेकर माहेश्वरी समाज द्वारा उठाई गई आपत्ति को खारिज कर दिया गया। मंदिर के प्रबंधन को लेकर विवाद की शुरुआत 19 दिसंबर 1907 की महंत गोपालदास की वसीयत से हुई। इसमें माहेश्वरी समाज के पंचों की प्रबंधन में भूमिका का उल्लेख था। रतनदास पक्ष ने इसका विरोध किया। विवाद बढ़ने पर रतनदास के पिता महंत मुरलीदास ने मंदिर को राज्य के संरक्षण में देने का अनुरोध किया। 15 अक्टूबर 1930 को औकाफ विभाग (अब धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग) ने मंदिर और उससे जुड़ी संपत्तियों का प्रबंधन अपने अधीन ले लिया।

हाटकेश्वर महादेव मंदिर में बारिश के लिए हुआ अनुष्ठान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •मानसून का आधे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उज्जैन सहित प्रदेश के कई हिस्सों में इस साल बारिश की भारी कमी बनी हुई है। बारिश के अभाव और भविष्य में गहराने वाले जल संकट की स्थिति को देखते हुए बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन के प्रसिद्ध हाटकेश्वर महादेव मंदिर में एक विशेष अनुष्ठान प्रारंभ किया गया। हाटकेश्वर महादेव मंदिर में सावन माह में रोज सुबह रूद्र अभिषेक किया गया। 75 पुजारी-पुरोहित ने एक दिन सहस्त्र जल धारा का पूजन अनुष्ठान कराया है। सावन पूर्णिमा तक चलेगा अनुष्ठान यह विशेष अनुष्ठान 30 जुलाई से शुरू हुआ, जो आगामी सावन मास की पूर्णिमा तक अनवरत जारी रहेगा।

पहली सेमीकंडक्टर चिप यूनिट उज्जैन में लगेगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • मप्र को सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिलने जा रही है। प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली यूनिट उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी में स्थापित होने की तैयारी है। पारस डिफेंस कंपनी ने यूनिट के लिए एमपीआईडीसी से करीब 55 एकड़ जमीन मांगी है। जमीन और अन्य औपचारिकताएं पूरी होने के बाद भूमि पूजन की तैयारी है। एमपीआईडीसी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजेश राठौर ने बताया कि कंपनी उज्जैन में करीब 6,200 करोड़ रुपए का निवेश करने जा रही है। इसके लिए जमीन की प्रक्रिया चल रही है। कंपनी के अधिकारी उज्जैन आकर प्रस्तावित जमीन का निरीक्षण भी कर चुके हैं।

यूनिट शुरू होने के बाद यहां से सेमीकंडक्टर चिप का निर्माण किया जाएगा। इससे उज्जैन प्रदेश में सेमीकंडक्टर निर्माण का प्रमुख केंद्र बन सकता है। चिप की जरूरत वाली देश-विदेश की कंपनियों के लिए भी उज्जैन एक अहम सप्लाई हब के रूप में विकसित होने की संभावना है।

7 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

प्रस्तावित यूनिट से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 7 हजार लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। इससे उज्जैन में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र से जुड़े नए उद्योगों के आने की संभावना भी बढ़ेगी।

जिला अस्पताल में शुरू हुई माइक्रोबायोलॉजी लैब :कलेक्टर ने किया उद्घाटन

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • जिला अस्पताल में अब संक्रमण की जांच की सुविधा बढ़ गई है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने नई माइक्रोबायोलॉजी लैब का उद्घाटन किया। इस लैब में अब कल्चर और सेंसिटिविटी टेस्ट किए जा सकेंगे। इससे मरीजों को इन जांचों के लिए निजी लैब नहीं जाना पड़ेगा। नई लैब से खासकर छोटे बच्चों में होने वाले संक्रमण की सही पहचान में मदद मिलेगी। जांच के आधार पर डॉक्टर मरीज का इलाज तय कर सकेंगे। अब तक जिला अस्पताल में कल्चर टेस्ट की सुविधा नहीं थी। मरीजों के नमूने जांच के लिए निजी लैब भेजे जाते थे। इन जांचों पर रोगी कल्याण समिति के बजट से हर साल करीब 1 लाख रुपए खर्च होते थे। अब जांच अस्पताल में ही होगी। इससे रिपोर्ट मिलने में समय भी कम होगा।

अस्पताल में ही होगी जांच

सिविल सर्जन डॉ. आरपी परमार ने बताया कि सरकार की योजना के तहत हर जिले में पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री जांच की सुविधाओं को एक जगह लाया जा रहा है। नई लैब में कल्चर और सेंसिटिविटी टेस्ट किए जाएंगे। लैब के जरूरी उपकरण कलेक्टर के निर्देश पर रेडक्रॉस के माध्यम से उपलब्ध कराए गए हैं। डॉ. परमार ने बताया कि निजी लैब में जांच भेजने पर होने वाला खर्च भी बचेगा। इस राशि का इस्तेमाल अस्पताल की दूसरी जरूरी सुविधाओं और मरीजों की जरूरतों में किया जा सकेगा।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कहा कि जिला अस्पताल की व्यवस्था और प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल की निगरानी के लिए रोज एक कार्यपालिक दंडाधिकारी की तैनाती भी की गई है। डॉक्टर अखिलेश तिवारी ने मुताबिक मरीज के शरीर से लिए गए सैंपल जैसे खून, पेशाब, थूक या अन्य नमूने की जांच की जाती है। इससे पता चलता है कि संक्रमण किस बैक्टीरिया या सूक्ष्मजीव के कारण हुआ है। यानी बीमारी के पीछे जिम्मेदार संक्रमण की पहचान होती है।

इंदौर-देपालपुर फोरलेन पर शुरू हुई श्रेय की राजनीति

विधायक पटेल समर्थक कर रहे आभार व्यक्त, कांग्रेस नेता कह रहे हैं मेरी मेहनत रंग लाई

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत
लंबे समय से इंदौर देपालपुर फोरलेन सड़क को लेकर आम जनता मांग कर रही थी। आखिरकार 25 अगस्त को मध्यप्रदेश कैबिनेट बैठक में इस सड़क का बजट प्रस्तावित कर दिया इस सड़क का निर्माण एमपीआरडीसी द्वारा किया जाएगा। लेकिन राजनीतिक गलियारों में देखा गया भाजपा समर्पित कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर विधायक मनोज पटेल को बधाई देते रहे और बड़ी संख्या में विधायक का आभार व्यक्त करते रहे इतना ही नहीं विधायक के समर्थकों ने सोशल मीडिया पर लिखा कि विकास की नैया मनोज भैया इतना ही नहीं भाजपा नेता ने दावा किया है। कि मुख्यमंत्री

मोहन यादव का दौरा जब गौतमपुरा था तो विधायक मनोज पटेल ने इस सड़क की मांग की थी, जिसमें उन्होंने मंच से घोषणा करते हुए इंदौर-देपालपुर रोड को फोरलेन बनाने का वादा आम जनता से किया था। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में कैबिनेट

में मंजूरी भी दे दी गई। लेकिन देपालपुर में राजनीतिक समीकरण उस समय गर्म हो गए तब कांग्रेस नेता मोती सिंह पटेल और उनके समर्थकों ने कहा कि यह रोड हमारी मेहनत से आया है, क्योंकि कांग्रेस नेता मोती सिंह पटेल ने परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर इस रोड की मांग की थी, उन्होंने परिवहन मंत्री को लिखित में आवेदन भी दिया और जल्द से जल्द इस रोड को मंजूरी मिले इसके लिए निवेदन किया गया। इंदौर-देपालपुर फोरलेन मंजूर होते ही सोशल मीडिया पर

नितिन गडकरी के साथ फोटो पोस्ट की साथ ही वह लेटर भी पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने इंदौर-देपालपुर रोड की मांग की थी। राजनीतिक गलियारों की चर्चा करें तो देपालपुर की राजनीति में भाजपा और कांग्रेस के दोनों ही नेता अपना अपना दावा रोड को लेकर मजबूत बता रहे हैं। दोनों के ही समर्थक सोशल मीडिया पर अपने-अपने नेता का आभार व्यक्त कर रहे हैं।विधानसभा चुनाव में 2 साल से अधिक समय बाकी है लेकिन राजनीतिक माहौल अभी से ही गर्म होने लगा है। क्षेत्रीय विधायक मनोज पटेल विकास के नाम पर अपनी राजनीतिक पारी को आगे बढ़ाने में लगे हैं। वहीं कांग्रेस नेता मोती सिंह पटेल विधानसभा टिकट की देवदारी कर रहे हैं। पहले भी उन्होंने देपालपुर से टिकट मांगा था। लेकिन पार्टी ने उन्हें इंदौर दुग्ध संघ का अध्यक्ष बना दिया, लेकिन देपालपुर सीट से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सत्यनारायण पटेल का दावा इस सीट पर मजबूत दिखाई दे रहा है, उन्होंने चुनाव लड़ने के लिए देपालपुर में पूरी बिछात बिछा रखी है।

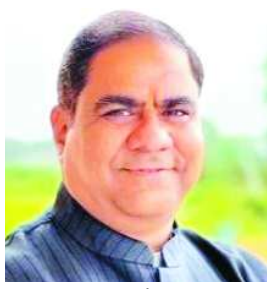

दोहरी उलझन नगर निगम में फंस गया

एक लाख से कम के चेक पर रोक का फैसला बन गया गले की फांस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एक लाख से कम राशि के चेक लेने से इनकार के फैसले ने नगर निगम की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चेक बाउंस के मामलों में वसूली और धारा 138 की कानूनी कार्रवाई पर होने वाले खर्च से बचने के लिए लिया गया यह निर्णय अब खुद निगम के लिए सवाल खड़े कर रहा है। नागरिकों के विरोध के बाद मामला नियम और व्यवहारिक व्यवस्था के बीच उलझता नजर आ रहा है।

पूर्व पार्षद ने उठाई आपत्ति-मामलें में पूर्व पार्षद और कांग्रेसी नेता दिलीप कौशल ने आपत्ति लेते हुए निगम सभापति मुन्नालाल यादव को पत्र लिखा और स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा। इधर पत्र मिलते ही सभापति यादव ने निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल को पत्र लिखा और पूछा है कि चेक को अस्वीकृत करने जैसा निर्णय किस आधार पर लिया गया।

चेक बाउंस से बढ़ा निगम का खर्च-निगम स्तर पर निर्णय लिया गया था कि लगातार बाउंस हो रहे छोटे मूल्य के चेक के कारण उनकी वसूली के लिए नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत कार्रवाई में लगने वाले खर्च को देखते हुए एक लाख से कम के चेक स्वीकार नहीं किए जाएंगे। निगम का तर्क था कि कम राशि के चेक के लिए कानूनी प्रक्रिया में होने वाला खर्च कई बार वसूल की जाने वाली रकम के मुकाबले अनुपातहीन हो जाता है। बीते सालों में ऐसा ही हुआ। राजस्व विभाग को सम्पत्तिकर, जलकर और कचरा शुल्क के लिए मिले चेक बाउंस हो गए। इनकी वसूली को लिए मुकदमा दायर को तो पता चला कि जितनी राशि वसूलनी थी उससे कई अधिक राशि वकील फीस और कोर्ट में पेशी पर होने वाला खर्च अधिक हो रहा है।

700 चेक बाउंस, करीब 50 लाख की राशि- राजस्व अपर आयुक्त

आकाश सिह ने बताया बीते वित्त वर्ष में बांउस की संख्या 700 करीब थी कुल राशि लगभग 50 लाख रूपए लेकिन ये सभी चेक 25 से 50 हजार के अंदर थे, नगर निगम ने जब चेक बाउंस होने पर सभी केस दायर के खर्च का आंकलन किया तो यह एक 80 करीब हो रहा था।इस दौरान यह समस्या भी सामने आई कि 5 हजार चेक बाउंस हुआ और वसूली के लिए होने वाला खर्च 30 हजार है।

झोन 8 के एआरओ से अभिभाषक की बहस

बीते शुक्रवार को नगर निगम के विजय नगर झोन 8 पर सहायक राजस्व अधिकारी और एक अभिभाषक की बहस हो गई। एआरओ ने जब 1 लाख रूपए से कम की राशि का चेक लेने से इंकार किया तो अभिभाषक ने पूछा कि ऐसा कौन से नियम में लिखा है कि चेक से भुगतान नहीं होगा मुझे बताइए, नहीं तो मेरा चेक स्वीकार कीजिए।निगम अधिकारियों और अभिभाषक के बीच देर तक बहस चलती रही।इस दौरान अधिकारियों ने अपनी समस्या बताई, तब कहीं जाकर अभिभाषक ने अधिकारियों की बात मानी।

4 से 6 साल तक खिंच रही पीएचडी पर लगेगी लगाम

डीएवीवी करेगा सख्त मॉनिटरिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने पीएचडी शोधकार्य की अवधि कम करने के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय की समीक्षा में सामने आया है कि अधिकांश शोधार्थी पीएचडी पूरी करने में चार से छह साल, जबकि कुछ मामलों में इससे भी अधिक समय ले रहे हैं। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय ने कोर्सवर्क से लेकर शोध के विभिन्न चरणों तक तय समय-सीमा के पालन पर जोर दिया है। विश्वविद्यालय के 35 से अधिक विषयों में पीएचडी कोर्सवर्क की कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। सभी विभागों को 31 अक्टूबर तक कोर्सवर्क पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद 16 से 21 नवंबर तक सेमेस्टर परीक्षाएं होंगी और 30 नवंबर तक परिणाम घोषित किए जाएंगे।

कुलपति प्रो. राकेश सिंघई ने विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि पीएचडी कोर्सवर्क की कक्षाएं नियमित स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की तरह संचालित की जाएं। साथ ही शैक्षणिक कैलेंडर

का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। निर्धारित समय-सारिणी का पालन नहीं करने वाले विभागों पर कार्रवाई भी की जा सकती है। विश्वविद्यालय अब केवल कोर्सवर्क तक सीमित न रहकर शोधार्थियों की प्रगति पर भी लगातार नजर रखेगा।

अधिकारियों का मानना है कि नियमित मॉनिटरिंग से पीएचडी की अवधि कम होगी और इसे यूजीसी द्वारा निर्धारित तीन वर्ष की समय-सीमा के करीब लाया जा सकेगा। वर्तमान में केवल करीब 45 प्रतिशत शोधार्थी ही तीन वर्ष के भीतर पीएचडी पूरी कर पा रहे हैं। विश्वविद्यालय के अनुसार अधिकांश विषयों में नेट योग्यता अनिवार्य होने, शोध कार्य में देरी और शोधार्थी-मार्गदर्शक के बीच समन्वय संबंधी समस्याएं इसके प्रमुख कारण हैं।

पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। हाल ही में हुई नॉन-डीईटी प्रवेश प्रक्रिया में 601 सीटों में से 451 सीटें खाली रह गईं। विश्वविद्यालय में 234 शोध मार्गदर्शक हैं, जबकि करीब 550 नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। अब दिसंबर में नए और रिक्त सीटों को मिलाकर पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया फिर से शुरू की जाएगी।

बीजेपी युवा मोर्चा पूर्व उपाध्यक्ष गंगा पांडे ने समर्थकों के साथ थाने के सामने रोड ब्लॉक कर मनाया जन्मदिन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में ट्रैफिक समस्या से जनता हलाकान है, लेकिन नेताओं को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। बीजेपी युवा मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष गंगा पांडे और उनके समर्थकों ने अब सड़क पर जन्मदिन मनाया, वह भी थाने के सामने।

इंदौर में ट्रैफिक जाम की परेशानी से लोग पहले ही परेशान हैं। इस मामले में हाईकोर्ट में चार जनहित याचिकाएं भी चल रही हैं। इसके बावजूद हालात में ज्यादा बदलाव नजर नहीं आ रहा है। मंगलवार रात छत्रीपुरा थाने के सामने बीजेपी युवा मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष गंगा पांडे और उनके समर्थकों ने सड़क पर ही जन्मदिन मना लिया।

थाने के ही बैरिकेड लगाकर सड़क की ब्लॉक

छत्रीपुरा थाने के पास ही गंगा पांडे का घर है।मंगलवार रात वहां सड़क पर करीब सौ समर्थक जुटे और जन्मदिन मनाया।इस दौरान ट्रैफिक रोकने के लिए समर्थकों ने थाने के बैरिकेड लगाकर रास्ता बंद कर दिया।करीब एक घंटे तक सड़क पर कार्यक्रम चलता रहा।इस दौरान वाहन चालकों को परेशानी हुई और उन्हें दूसरे रास्तों से जाना पड़ा।इसका असर पूरे बियाबानी इलाके में दिखा और ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई।

आतिशबाजी और ढोल-धमाके-समर्थकों (इंदौर बीजेपी) ने पांडे के जन्मदिन पर जमकर आतिशबाजी की और ढोल-नगाड़े बजाए। यह पूरा कार्यक्रम थाने के पास सड़क पर ही चलता रहा। इस दौरान वाहन चालक परेशान हुए और नेताओं को कोसते हुए दूसरे रास्तों से निकलते नजर आए।

क्या बोल रही पुलिस और नेताजी-उन्होंने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं है। उनका कहना है कि वह सुबह से देर शाम तक घर पर नहीं थे। वहीं छत्रीपुरा टीआई संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि जन्मदिन के लिए कुछ समर्थक जमा हुए थे। हालांकि, उनका कहना है कि वे सिर्फ 10-15 मिनट के लिए वहां थे। टीआई ने ट्रैफिक बाधित (इंदौर न्यूज) होने और बैरिकेड लगाने की बात से इनकार किया है।

चेक बाउंस : कोर्ट ने एसीपी को किया तलब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● चेक बाउंस के एक मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद आरोपी दंपती की गिरफ्तारी नहीं होने पर न्यायालय ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सहायक पुलिस आयुक्त (ष्टक्क) को तलब किया है। मामला कुशवाहा महिला महासभा की पूर्व अध्यक्ष रेखा कुशवाह और उनके पति नरेंद्र कुशवाह से जुड़ा है।

ग्राम नावदा पंथ निवासी नरेंद्र सिंह ने वर्ष 2018 में रेखा कुशवाह और नरेंद्र कुशवाह के खिलाफ 2 लाख रुपए के चेक बाउंस का प्रकरण अधिवक्ता बसंत सितोले के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत किया था। मामले की सुनवाई के दौरान दोनों आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया।

अरिहंत कॉलेज में देश विरोधी नारे लगाने की खबर निकली अफवाह

भंवरकुआ पुलिस की जांच-पड़ताल में नहीं हुई पुष्टि

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अरिहंत कॉलेज में 17 अगस्त को डिबेट और मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर देश विरोधी नारे लगाए जाने की खबर वायरल हुई थी। मामले की जांच के बाद भंवरकुआ पुलिस के सामने फिलहाल ऐसी किसी राष्ट्रविरोधी गतिविधि की पुष्टि नहीं हुई है। कॉलेज प्रबंधन के मुताबिक परिसर में 'यूनाइटेड वाइज' नाम से डिबेट प्रतियोगिता की गई थी। इसमें अलग-अलग स्कूलों के 180 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा और वाद-विवाद किया। कार्यक्रम के तहत 'डिप्लोमेट सिंपोजियम' का आयोजन किया था। इसमें भी विद्यार्थियों को अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों की भूमिका दी गई थी। विद्यार्थियों ने भारत, पाकिस्तान समेत विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व कर संबंधित मुद्दों पर बात रखी। इसी आयोजन के दौरान मॉक पार्लियामेंट भी कराई गई। इसमें विद्यार्थियों को सत्तापक्ष और विपक्ष की भूमिकाएं दी गई थीं। सदन की कार्रवाई की तरह ही दोनों पक्षों के बीच बहस और नोकझोंक का मंचन किया गया।

कॉलेज प्रबंधन के अनुसार मॉक पार्लियामेंट में विपक्ष की भूमिका निभा रहे विद्यार्थियों ने बहस के दौरान नारेबाजी की और सदन से वॉकआउट किया। कार्यक्रम का यह पूरा हिस्सा संसदीय कार्रवाई की नकल करते हुए तैयार किए गए मॉक पॉलिटिकल ड्रामा का हिस्सा था। वीडियो के कुछ हिस्से सोशल मीडिया पर सामने आए। इसमें आरोप लगाया कि कॉलेज में देश विरोधी नारे लगाए गए हैं। वीडियो के संदर्भ को पूरी तरह समझे बिना उसे सोशल मीडिया पर अलग दावे के साथ प्रसारित किया गया। मॉक पार्लियामेंट में विपक्ष की भूमिका निभाने वाले विद्यार्थी ने भी अपना वीडियो जारी कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। विद्यार्थी ने बताया कि कार्यक्रम में की गई नारेबाजी और वॉकआउट मॉक पार्लियामेंट की स्क्रिप्ट और भूमिका का हिस्सा था।

शिवाजी मार्केट की दुकानों के आगे दीवार बनाने से कारोबार हुआ चौपट

मेट्रो और कान्ह नदी रिवर फ्रंट योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों ने बढ़ाई व्यापारियों की मुसीबत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के शिवाजी मार्केट में मेट्रो रेल परियोजना और कान्ह नदी रिवर फ्रंट योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों ने स्थानीय व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दुकानों के सामने करीब चार फीट ऊंची दीवारें खड़ी किए जाने से ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। व्यापारियों का कहना है कि निर्माण कार्य के कारण उनका वर्षों पुराना कारोबार चौपट होने की कगार पर पहुंच गया है।

दुकानों तक पहुंचना हुआ मुश्किल-व्यापारी दिनेश राठौर के मुताबिक, मेट्रो परियोजना से जुड़ी गतिविधियों के चलते दुकानों के सामने रास्ता बाधित हो गया है। दीवारें बनने के बाद ग्राहकों का दुकानों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। इससे कई दुकानों पर

व्यापार लगभग ठप पड़ने की स्थिति में है। व्यापारियों का आरोप है कि निर्माण के दौरान वैकल्पिक रास्ते और कारोबार प्रभावित होने की स्थिति को लेकर पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए।

ऊपरी मंजिल पर दुकानें मंजूर नहीं-व्यापारियों का कहना है कि वर्षों से सड़क और बाजार स्तर पर संचालित दुकानों को ऊपरी मंजिल पर ले जाने से ग्राहक वहां आसानी से नहीं पहुंचेंगे। इससे कारोबार पर गंभीर असर पड़ेगा और उनकी रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। व्यापारियों का कहना है कि बाजार की स्थिति और ग्राहकों की आवाजाही को देखते हुए ग्राउंड फ्लोर पर ही दुकानें उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

126 दुकानों पर संकट

कान्ह नदी के सौंदर्यीकरण और मेट्रो विस्तार के लिए शिवाजी मार्केट की करीब 126 पुरानी दुकानों को हटाने की तैयारी की जा रही है।प्रशासन की ओर से प्रभावित व्यापारियों को नंदलालपुरा कॉम्प्लेक्स की ऊपरी मंजिलों पर स्थानांतरित करने की योजना की बात सामने आई है।हालांकि व्यापारी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं।

विकास के खिलाफ नहीं हैं व्यापारी-व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि वे मेट्रो और रिवर फ्रंट जैसे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं। उनका कहना है किविकास जरूरी है, लेकिनइसके नाम पर वर्षों से कारोबार कर रहे दुकानदारों को बिना उचित पुनर्वास और पारदर्शी प्रक्रिया के विस्थापित नहीं किया जाना चाहिए।

संवाद कर निकाला जाए समाधान-व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि दुकानों को हटाने की कार्रवाई पर पुनर्विचार किया जाए और प्रभावित दुकानदारों से संवाद किया जाए। यदि विस्थापन जरूरी है तो शहर में ही अनुकूल स्थान पर ग्राउंड फ्लोर में वैकल्पिक दुकानें उपलब्ध कराईजाएं। व्यापारियों का कहना है कि ऐसा समाधान निकाला जाना चाहिए, जिसमें विकास कार्य भी आगे बढ़ें और वर्षों से जुड़े व्यापारियों का रोजगार भी सुरक्षित रहे।

आईएएस अपर आयुक्त तरूण भटनागर की कोर्ट के फर्जी आदेश में वकील ने दिया बयान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में सीनियर IAS अपर आयुक्त तरूण भटनागर की कोर्ट के फर्जी आदेश में जांच तेज हो गई है। इस आदेश को तहसीलदार के पास पेश कर टीम बनवाने वाले वकील के बयान हो गए हैं।

इंदौर में जमीन पर कब्जे के लिए सीनियर IAS 2012 के अपर आयुक्त तरूण भटनागर की कोर्ट का फर्जी आदेश बन गया। इसका खुलासा तब हुआ जब हाईकोर्ट में रविवार को इस केस में अर्जेंट हियरिंग हुई और यह आदेश सामने आया। इसके बाद संभागायुक्त कार्यालय में हड़कंप मच गया। इसकी जांच हो रही है। इस आदेश को पेश करने वाले वकील आशीष अग्रवाल के औपचारिक बयान हुए। इस केस को कलेक्ट्रेट में तहसीलदार राजेश शस्तिया के पास पेश कर कब्जा दिलाने की मांग करने वाले वकील आशीष अग्रवाल की भूमिका इसमें संदिग्ध है। संभागायुक्त (आईएएस भास्कर लक्षकार) के आदेश के बाद इसकी जांच की जा रही है। इसके तहत अग्रवाल को नोटिस देकर बुलाया गया और तहसीलदार जूनी इंदौर ने बयान दर्ज किए। इसमें वकील ने अपनी गलती कबूली। साथ ही कहा कि मुंबई की यह बड़ी कंपनी है, इसे प्रभावित करने के लिए यह आदेश बनाकर कब्जा दिलाने की कोशिश की गई। जिससे कंपनी प्रभावित होकर उन्हें और भी केस दे और उनके काम का ग्राफ भी बढ़ जाए। दरअसल यह मामला हाईप्रोफाइल पुष्परतन रियल्टी प्रा. लि. के डायरेक्टर अंकित जैन की कंपनी और राजीव अग्निहोत्री की जमीन के बीच का है। खजराना की इस जमीन को लेकर दोनों के बीच सौदे को लेकर विवाद चल रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।